# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 94 दिनांक: 17-03-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भगवंत मान ने पंजाब के नए सीएम की शपथ ले ली है। भगवंत मान एक सामान्य परिवार से आते हैं। उन्होंने अपनी राजनीति की शुरूआत की थी। महज कुछ सालों में ही वह सीएम की कुर्सी तक पहुंच गए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश की चुनावी राजनीति पर सोशल मीडिया कंपनियों के सुनियोजित प्रभाव को लोकतंत्र के लिए खतरा करार देते हुए बुधवार को कहा कि सरकार को इस पर विराम लगाना चाहिए।

## 'रंग दे बसंती के नारों के बीच 4 लाख लोगों की मौजूदगी में भगवंत मान ने ली शपथ

शपथ ग्रहण कर कहा, ठआप सभी पंजाब के मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ ( ईएमएस )। क्रांतिकारी गीत 'रंग दे बसंती के नारों के बीच, आप नेता और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 4 लाख से अधिक लोगों के बीच मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 48 वर्षीय मान, कांग्रेस के चरणजीत चन्नी की जगह मुख्यमंत्री बने हैं, जो लगभग चार दशकों में पंजाब के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने मान को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद मान ने कहा कि उन्होंने राज्य के सभी निवासियों के साथ मुख्यमंत्री के रूप में भी शपथ ली है। उन्होंने कहा, ठआप सभी पंजाब के मुख्यमंत्री हैं। मान शाम को पदभार ग्रहण करने वाले हैं, जबकि नवनिर्वाचित विधायकों को गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान शपथ दिलाई जाएगी।

हालांकि मान की कैबिनेट शनिवार को चंडीगढ़ के राजभवन में शपथ लेगी। मान कैबिनेट की सूची में हरपाल चीमा, अमन अरोड़ा, बलजिंदर कौर, मीत हायर, सर्वजीत कौर मनुके और दूसरी बार विधायक बने बुध राम के शामिल होने की संभावना है। शपथ ग्रहण स्थल के मंच पर तीन पोडियम बनाए गए थे। जबकि राज्यपाल और मान केंद्रीय मंच पर थे, दूसरे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल का कब्जा था और तीसरे पर आप पार्टी के 91 विधायकों का कब्जा था। मान ने शपथ लेने से पहले कहा, मान ने ट्वीट कर कहा, सूरज की सुनहरी किरण आज एक नया सवेरा लेकर आई है। शहीद भगत सिंह और बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए पूरा पंजाब आज खटकर कलां में शपथ लेगा।

शपथ लेने के बाद मान ने कहा कि लोगों ने जितना प्यार मुझे दिया है, उसका कर्ज तब मैं जन्मों तक नहीं उतार पाऊंगा। क्रांतिकारी भगत सिंह का जिक्र करते हुए भगवंत मान ने कहा कि वह हमेशा सोचते थे कि देश आजाद हो जाएगा, लेकिन किन हाथों में जाएगा। अब हम उनका सपना साकार करने वाले हैं। मान ने कहा कि हम पंजाब के स्कूलों एवं अस्पतालों को ऐसा बनाएंगे कि बाहर से आए लोग यहां से सेल्फी लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पहले राजभवन या फिर स्टेडियमों में शपथ समारोह होते थे, लेकिन आज हमने भगत सिंह के गांव में शपथ लेने का फैसला लिया है। मान ने कहा कि हमारी सरकार उन लोगों की भी है, जिन्होंने हमें वोट नहीं दिया है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत दिल्ली सरकार के तमाम मंत्रियों की मौजूदगी में भगवंत मान ने कहा कि हमें अहंकार नहीं करना चाहिए। अहंकार का सिर हमेशा नीचा होता है और वक्त की ही तो बात है, जो किसी का नहीं रहता। मान ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी का मैं धन्यवाद दूंगा, जिन्होंने देश की राजनीति के सुधार के लिए पार्टी का गठन किया।

संगरूर सीट से सांसद रहे मान बीते कई सालों से राजनीति में हैं। इसके पहले पेशे से कॉमेडियन थे। अब वह संगरूर जिले की धुरी सीट से विधायक हैं, और सांसदी से इस्तीफा दे दिया है। इस मौके पर अपने ही अंदाज में एक शेर सुनाते हुए मान ने कहा कि हुकूमत वह करते हैं, जिनका दिलों पर राज होता है। यूं तो मुर्गे के सिर पर भी ताज होता है। भगत सिंह के गांव में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। हालांकि भगवंत मान के अलावा अरविंद केजरीवाल समेत किसी अन्य नेता ने भाषण नहीं दिया।

बात दें कि भाजपा ने भी महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह का आह्वान करने का प्रयास किया था। 2015 में, 'बसंती' पगड़ी पहनकर, नरेंद्र मोदी पंजाब के फिरोजपुर जिले के हुसैनीवाला का दौरा करने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने थे। हुसैनीवाला वह स्थान है, जहां 23 मार्च, 1931 को लाहौर में फांसी देने के बाद तीनों स्वतंत्रता सेनानियों का अंतिम संस्कार किया गया था।

## पूर्वी जापान में 7.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए

टोक्यो ( ईएमएस )। पूर्वी जापान में बुधवार रात 7.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहाँ 20 लाख से ज्यादा घरों में बत्ती गुल हो गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पूर्वोत्तर तट के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। भूकंप का केंद्र फुकुशिमा क्षेत्र के तट पर 60 किलोमीटर की गहराई में था। रात 11:36 बजे भूकंप आने के तुरंत बाद तट के कुछ हिस्सों के लिए एक मीटर की सूनामी लहरों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

भूकंप की वजह से किसी भी तरह के जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। लेकिन 20 लाख से ज्यादा घरों में बत्ती गुल हो गई है। बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी टेप्को ने बताया कि इनमें करीब सात लाख घर टोक्यो के शामिल हैं।

टेप्को ने ट्वीट करते हुए कहा कि वह फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में संचालन की जांच कर रहा है। 11 साल पहले 11 मार्च, 2011 को पूर्वी तट पर 9.0-तीव्रता के भूकंप और सूनामी के बाद इस प्लांट में संचालन बंद हो गया था।

## चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया कंपनियों का प्रभाव लोकतंत्र के लिए खतरा: सोनिया

-सत्तापक्ष की मिलीभगत के साथ सोशल मीडिया कंपनियों का दुरुपयोग किया जा रहा है

नई दिल्ली( ईएमएस )। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश की चुनावी राजनीति पर सोशल मीडिया कंपनियों के सुनियोजित प्रभाव को लोकतंत्र के लिए खतरा करार देते हुए बुधवार को कहा कि सरकार को इस पर विराम लगाना चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया और कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूहों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सत्तापक्ष की मिलीभगत के साथ सोशल मीडिया कंपनियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

सोनिया गांधी ने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग, लोकतंत्र को 'हैक' करने में किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, ''सत्तापक्ष की मिलीभगत से फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया मंचों के जरिये सामाजिक सद्भाव को जिस तरह खराब किया जा रहा है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है। बड़े औद्योगिक समूहों और सरकार के बीच मिलीभगत है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''सरकार से आग्रह है कि दुनिया के सबसे लोकतंत्र की चुनावी राजनीति पर सत्ता प्रतिष्ठान के साथ मिलकर फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया की ओर से जो सुनियोजित प्रभाव डाला जा रहा है, उस पर विराम लगाया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव को बचाकर रखना है।

इसके पहले, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फेसबुक और कुछ अन्य सोशल मीडिया कंपनियों की भारत की चुनावी राजनीति में 'दखल का विषय लोकसभा में उठाकर सरकार से आग्रह किया कि इस पर विराम लगाया जाए। सोनिया ने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग, लोकतंत्र को 'हैक' करने में किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, 'सत्तापक्ष की मिलीभगत से फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया मंचों के जरिये सामाजिक सद्भाव को जिस तरह खराब किया जा रहा है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है...बड़े औद्योगिक समूहों और सरकार के बीच मिलीभगत है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सरकार से आग्रह है कि दुनिया के सबसे लोकतंत्र की चुनावी राजनीति पर सत्ता प्रतिष्ठान के साथ मिलकर फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया की ओर से जो सुनियोजित प्रभाव डाला जा रहा है, उस पर विराम लगाया जाए।' उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव को बचाकर रखना है।

## गुलाम नबी आजाद के घर पर मिले कांग्रेस के असंतुष्ट नेता

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद असंतुष्ट नेताओं की गुलाम नबी आजाद के घर पर बैठक हुई। बैठक में भाग लेने वाले नेताओं में कपिल सिब्बल, शशि थरूर, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, भूपेंदर हुड्डा, राजिंदर कौर भट्टल, अखिलेश प्रताप सिंह, पृथ्वीराज चव्हाण, पीजे कुरियन, मणिशंकर अय्यर, कुलदीप शर्मा और राज बब्बर शामिल हैं। इन नेताओं ने पांच राज्यों, उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तरांचल, गोवा और मणिपुर में परिणाम के दिन मुलाकात की थी। सूत्रों ने बताया कि पहले यह बैठक कपिल सिब्बल के घर में आयोजित की गई थी लेकिन उनके ( सिब्बल के )गांधी परिवार के खिलाफ 'खुले हमले' को लेकर कई नेताओं के असहज होने के चलते इस बैठक का स्थान बदला गया।

शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ कपिल सिब्बल के हमले पिछले कुछ वर्षों से बेहद तीखे और धारदार होते जा रहे हैं। सिब्बल ने कहा था कि समय आ गया था कि गांधी परिवार को कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व से अलग होना चाहिए और किसी अन्य को मौका देना चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने यह भी कहा था कि वह 'घर की कांग्रेस' नहीं, बल्कि 'सबकी कांग्रेस' चाहते हैं।सिब्बल का यह बयान हार के कारणों की समीक्षा के लिए रविवार की कांग्रेस कार्यसमिति के बाद आया था। सीडब्ल्यूसी की बैठक पार्टी की ओर से सोनिया गांधी के नेतृत्व के प्रति आस्था जताने और उन्हें संगठनात्मक बदलाव के लिए इजाजत देने के साथ समाप्त हुई थी। कांग्रेस के कई नेताओं ने गांधी परिवार के संदर्भ में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर मंगलवार को उन पर निशाना साधा था।लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने सिब्बल पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, ''आरएसएस और भाजपा क्यों चाहते हैं कि नेहरू-गांधी नेतृत्व से अलग हो? क्योंकि गांधी परिवार के नेतृत्व के बिना कांग्रेस, जनता पार्टी बन जाएगी। इस तरह से कांग्रेस को खत्म करना आसान होगा और फिर से आइडिया ऑफ इंडिया ( भारत के विचार ) को खत्म करना आसान होगा। कपिल सिब्बल यह जानते हैं, लेकिन वह आरएसएस/भाजपा की भाषा क्यों बोल रहे हैं?''कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सिब्बल पर प्रहार करते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ रोजाना बयानबाजी करने की बजाय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बताया था कि सीडब्ल्यूसी बैठक को संबोधित करते हुए सोनिया ने अपने और अपने बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के इस्तीफे की पेशकश की थी लेकिन कांग्रेस नेताओं ने सर्वसम्मति से इसे खारिज कर दिया था।

## रूस से डिस्काउंट पर तेल खरीद रहा भारत

नई दिल्ली ( ईएमएस )। यूक्रेन पर रूसी अटैक के बीच अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। ऐसे में भारत रूस से डिस्काउंट पर तेल खरीद रहा है। तो क्या भारत का ये कदम अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन है? इस सवाल को लेकर खुद अमेरिका ने स्पष्ट जवाब दिया है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत का रूस से डिस्काउंट पर कच्चा तेल लेना अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा, किसी भी देश के लिए हमारा संदेश यही है कि हमने जो प्रतिबंध लगाए हैं और अनुशंसित किए हैं, उनका पालन करें। भारत द्वारा रियायती दर पर कच्चे तेल की रूसी पेशकश को स्वीकार करने की संभावना वाली एक रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर साकी ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह उन ( प्रतिबंधों ) का उल्लंघन होगा। साकी ने कहा, ''लेकिन इस बात पर गौर करें कि मौजूदा समय के संदर्भ में आप इतिहास में किस तरह दर्ज होना चाहते हैं। रूसी नेतृत्व को समर्थन, एक आक्रमण को समर्थन है, जिसके स्पष्ट रूप से विनाशकारी प्रभाव हैं। भारत ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का समर्थन नहीं किया है और वह सभी हितधारकों से बातचीत के जरिए मतभेदों को सुलझाने का लगातार आग्रह कर रहा है। उसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के किसी भी प्रस्ताव को पारित करने के लिए हुए मतदान में भी हिस्सा नहीं लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अधिकारियों ने भारत की स्थिति को समझने की पूरी कोशिश की है और अपने सांसदों से कहा है कि भारत, अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रूसी सैन्य आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है।

## हाईकोर्ट के आदेश के बाद विरोध, छात्राओं ने किया परीक्षा का बहिष्कार

-छात्राओं ने कहा है कि वे अपने माता-पिता के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करेंगी

बेंगलुरु( ईएमएस )। कर्नाटक हाईकोर्ट ने हिजाब विवाद मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा है कि यह इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं है और शैक्षिक संस्थान नियमों के अनुसार प्रतिबंध जारी रख सकते हैं। इस फैसले का विरोध दिखना शुरू हो गया है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद सुरपुरा तालुक केंबवी गवर्नमेंट पीयू कॉलेज की छात्राओं ने कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया है। इन स्टूडेंट के एग्जाम की तैयारियों को लेकर एक परीक्षा थी। लेकिन जैसे ही उन्होंने हाईकोर्ट का फैसला सुना, उन्होंने विरोध जताने के लिए कक्षाओं का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। इनकी परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छात्राओं ने कहा है कि वे अपने माता-पिता के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करेंगी और तभी फैसला लेंगी कि क्या उन्हें बिना हिजाब पहने कक्षाओं में आना चाहिए। क्लास का बॉयकॉट करने वाली छात्राओं का कहना था कि हम हिजाब पहनकर ही परीक्षा देंगे। अगर वह हमसे हिजाब हटाने के लिए कहते हैं, तो हम परीक्षा नहीं देंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ शकुंतला ने कहा कि छात्राओं को कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करने के लिए कहा गया था। उन्होंने इसका पालन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि क्लास छोड़कर छात्राएं बाहर चली गईं। प्राचार्य के अनुसार 35 छात्राओं ने क्लास का बॉयकॉट कर दिया। बता दां हिजाब विवाद पर हाईकोर्ट के फैसले के तुरंत बाद कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा हम हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। छात्रों के लिए शिक्षा जरूरी है। सभी लोग हाईकोर्ट के आदेश का पालन करें। शांति बनाए रखें। वहीं हाईकोर्ट के फैसले के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से असहमति जाहिर की है। इतना ही नहीं उन्होंने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत बाकी संगठनों से इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। एआईएमआईएम नेता और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा, मैं कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हूं। फैसले से असहमत होना मेरा हक है। मुझे उम्मीद है कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

## कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब मुस्लिम संगठनों ने गुरुवार को कर्नाटक बंद का आह्वान किया

बेंगलुरु ( ईएमएस )। कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद मुस्लिम संगठनों ने गुरुवार को कर्नाटक बंद का आह्वान किया है। मुस्लिम उलेमाओं के प्रमुख संगठन जमीयत उलेमा ए हिंद ने कर्नाटक हाइकोर्ट के फ़ैसले पर आपत्ति जताई है।

जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि ये फैसला हिजाब के सिलसिले में इस्लामी शिक्षाओं और शरीयत के आदेशों के अनुसार नहीं है, जो आदेश अनिवार्य होते हैं, उनका उल्लंघन करना गुनाह है। परंतु कोई इसका पालन न करे तो इस्लाम से ख़ारिज नहीं होता है, लेकिन वो पापी होकर अल्लाह के अज़ाब और नरक का हक़दार अवश्य होता है।

उन्होंने कहा कि यह कहना कि पर्दा इस्लाम का अभिन्न अंग नहीं है, सरासर ग़लत है। यह लोग 'अनिवार्य' का अर्थ यह समझ रहे हैं कि जो व्यक्ति इसका पालन नहीं करेगा वह इस्लाम से खारिज हो जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं है। अगर अनिवार्य है तो इसके न करने पर कयामत के दिन अल्लाह के अजाब का हक़दार होगा।

## भाजपा के लिए राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतना आसान नहीं होगा - ममता बनर्जी

कोलकाता ( ईएमएस )। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए कि 'खेल अभी खत्म नहीं हुआ है' दावा किया कि भाजपा के लिए राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतना आसान नहीं होगा। ममता ने कहा कि जिनके पास देश में कुल विधायकों की संख्या के आधे भी नहीं है, उन्हें बड़ी बड़ी बातें नहीं करनी चाहिए क्योंकि विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां, पिछली बार की तुलना में मजबूत है।

उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चुनाव इस बार बीजेपी के लिए आसान नहीं रहने वाले।उनके पास देश के कुल विधायकों के आधे भी नहीं हैं। विपक्षी पार्टियों के पास देशभर में उनसे ज्यादा विधायक हैं।ठ पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा, ''खेल अभी खत्म नहीं हुआ था, यहां तक कि यूपी विधानसभा चुनाव में हारने वाली सपा के पास भी पिछली बार की तुलना में अधिक विधायक हैं।' राष्ट्रपति चुनाव परोक्ष रूप से निर्वाचक मंडल के जरिये आयोजित किए जाते हैं जिसमें संसद के निर्वाचित सदस्य और राज्यों और यूपी की विधानसभाओं के सदस्य शामिल होते हैं।

ममता बनर्जी 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी पार्टियों का मोर्चा बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ जंग के लिए देश तैयार हो रहा है।

## देशसेवा का भाव हो तो कोई लक्ष्य नामुमकिन नहीं:पीएम मोदी

-दूतावास के अफसरों और सामुदायिक संगठनों का मैं आभार व्यक्त करता हूं

-विकट परिस्थितियों में भी हमारे छात्रों ने टीम भावना का उदाहरण दिया

नई दिल्ली( ईएमएस )। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन से भारतीयों की निकासी के अभियान में शामिल दूतावास के अफसरों और सामुदायिक संगठनों के साथ बात की। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि मेरी जिन लोगों से बातचीत हुई, उनका हौसला, उनका विश्वास ये दिखाता है कि जब इच्छा शक्ति हो, देशसेवा का भाव हो तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं होता। मैं आप सभी का सराहना करता हूं। आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि यहां यूक्रेन से जो छात्र वापस आए हैं, उनसे हमने जो सुना है, उसमें हमें आप सब के पुरूषार्थ की, सेवा भाव की अनेक घटनाएं सुनने को मिली हैं।

मोदी ने कहा कि घर से हज़ारों मील दूर विकट परिस्थितियों में हमारे छात्रों ने हौसले और ज़बरदस्त टीम भावना का उत्तम उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी कोशिश रहती थी कि प्रतिदिन परिस्थितियों का आंकलन करता रहूं। आप में से भी बहुत लोगों के सीधे संपर्क में रहा। मैंने अनेक राष्ट्राध्यक्षों से भी बात की। भारतीय कम्युनिटी, स्वयंसेवक समुहों, भारतीय कंपनियों को भी उनकी सहायता और निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि युद्धग्रस्त यूक्रेन के सूमी शहर से भारतीय छात्रों की निकासी बगैर किसी ''विश्वसनीय युद्धविराम'' के संभव नहीं थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसके लिए रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात कर रास्ता निकाला। राज्यसभा में यूक्रेन की स्थिति और उसका भारत पर प्रभाव पर एक बयान देते हुए जयशंकर ने यह भी कहा युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने के लिए चलाया गया ''ऑपरेशन गंगा'' अब तक चलाए गए चुनौतीपूर्ण निकासी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा, ''सूमी में 'क्रेडिबल सीजफायर' की जरूरत थी।

## रेलमंत्री की सदन में दो टूक, रेलवे के निजीकरण का कोई प्रश्न ही नहीं, सिर्फ अफवाहें

रेलवे को निजीकरण नहीं होगा पूर्व रेलमंत्री भी बता चुके

नई दिल्ली ( ईएमएस )। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को स्पष्ट किया कि रेलवे के निजीकरण का कोई प्रश्न ही नहीं है, इस बारे में कही गई सारी बातें 'काल्पनिक' हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की दृष्टि में 'रणनीतिक क्षेत्र' के रूप मे रेलवे की सामाजिक जवाबदेही है, इसे वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर ध्यान देकर पूरा किया जा रहा है। 'वर्ष 2022-23 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देकर रेल मंत्री ने कहा, ''रेलवे के निजीकरण का कोई प्रश्न ही नहीं है। इस बारे में कही गई बातें काल्पनिक हैं। '' उन्होंने कहा कि रेलवे का निजीकरण नहीं हो सकता है, क्योंकि पटरियां रेलवे की हैं, इंजन रेलवे के हैं, स्टेशन और बिजली के तार रेलवे के हैं। इसके अलावा डिब्बे और सिग्नल प्रणाली भी रेलवे की ही हैं।

वैष्णव ने कहा कि उनके पूर्ववर्ती रेलमंत्री पीयूष गोयल भी पहले स्पष्ट कर चुके हैं कि रेलवे का ढांचा जटिल है और इसका निजीकरण नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मालगाड़ियों का भी निजीकरण नहीं किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा, ''सरकार की दृष्टि में 'रणनीतिक क्षेत्र' के रूप में रेलवे की सामाजिक जवाबदेही है। इसका अब तक पालन किया गया और आगे भी किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस विषय पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने सरकार पर रेलवे के 'निजीकरण' की ओर कदम बढ़ाने और सिर्फ मुनाफा कमाने पर ध्यान देने का आरोप लगाकर लोकसभा में कहा था कि सरकार की ओर से रेल आधुनिकीकरण की बात करना सिर्फ 'दुष्प्रचार' है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे की सामाजिक जवाबदेही पर ध्यान दें तब स्पष्ट होगा कि हम 60 हजार करोड़ रूपये की सब्सिडी दे रहे हैं। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने 'वर्ष 2022-23 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों' को मंजूरी प्रदान कर दी। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन से रेल से जुड़ा रहा है, वह रेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि आज रेलवे किस मोड़ पर है, यह जानने के लिए हमें पीछे जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले जैसी नीतिगत पंगुता थी, उसका प्रभाव रेलवे पर भी था।

रेल मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले रेलवे में निवेश की कमी एवं नजरिये की दिशाहीनता थी, साथ ही प्रौद्योगिकी में बदलाव नहीं हो पा रहा था, कर्मचारियों में विभागीय प्रतिस्पर्धा थी और इसके कारण रेलवे लगातार बाजार में हिस्सेदारी खोता जा रहा था। सरकार के कदमों का उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार बनने के बाद सबसे पहले सफाई पर ध्यान दिया गया। इसके बाद जमीनी कार्यालयों के स्तर पर अधिकारियों को शक्तियां दी गईं।

## अवकाश सूचना

दिनांक १७-०३-२०२२ गुरूवार व १८-०३-२०२२ शुक्रवार को होली व धुलेन्डी पर्व पर जनहितैषी कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: दिनांक १८-०३-२०२२ शुक्रवार तथा १९-०३-२०२२ शनिवार को समाचार पत्र प्रकाशित नही होगा। दिनांक २०-०३-२०२२ से समाचार नियमित प्रकाशित होगा। -सम्पादक

## दुनिया में फिर कोरोना का कहर! चीन के बाद साउथ कोरिया में लहर

-दक्षिण कोरिया में 4,00,000 से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज हुए

बीजिंग( ईएमएस )। भारत के पड़ेसी चीन के बाद, दक्षिण कोरिया अब अपने सबसे खराब कोविड-19 के प्रकोप का सामना कर रहा है। यहां बुधवार को 4,00,000 से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। दक्षिण कोरियाई मीडिया के अनुसार, देश में 4,00,741 नए दैनिक कोविड-19 मामले दर्ज किए गए, जो देश में पिछले साल जनवरी में अपना पहला कोविड-19 मामला दर्ज करने के बाद से सबसे अधिक है। इनमें से अधिकांश स्थानीय संक्रण के मामले बताए जा रहे हैं। यानी देश में कोरोना का लोकल ट्रांसमिशन शुरू हो गया है।

कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी ( केडीसीए ) ने बुधवार को कहा कि ताजा मामलों के साथ, दक्षिण कोरिया का कुल केसलोएड अब बढ़कर 7,629,275 हो गया है। मीडिया से आ रही खबरों के अनुसार दक्षिण कोरिया में 24 घंटे में 293 मौतों के साथ महामारी का अपना सबसे घातक दिन था। चीन कथित तौर पर अपने सबसे खराब कोविड-19 प्रकोप का सामना कर रहा है, जिससे लाखों लोग लॉकडाउन के लिए मजबूर हो गए हैं। कुल संक्रमणों में भारी उछाल को देखते हुए, चीन ने बुधवार को 3,290 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए, जिनमें 11 गंभीर मामले शामिल हैं। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि चीन, जहां 2019 के अंत में वुहान में पहला वायरस का मामला सामने आया था, ने आधिकारिक तौर पर एक साल से अधिक समय तक किसी भी कोविड से संबंधित मौत की सूचना नहीं दी है। इस बीच, वायरस को फैलने से रोकने के लिए, चीन ने अस्पताल के बिस्तर खाली करने का फैसला किया क्योंकि अधिकारियों ने बुधवार को ओमिक्रॉन के चलते कोरोना वायरस के प्रकोप से हजारों नए मामलों की सूचना दी। कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि ने शेनझेन के दक्षिणी टेक हब के लगभग 17।5 मिलियन निवासियों को लॉकडाउन में डाल दिया है। इसके अलावा, शंघाई और अन्य शहरों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। प्रतिबंध ऐसे समय में आए हैं जब वैश्विक अर्थव्यवस्था यूक्रेन पर रूस के युद्ध, तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर उपभोक्ता मांग के दबाव में है। चीन और दक्षिण कोरिया में मामलों में तेजी से वृद्धि के पीछे कोविड-19 के अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वेरिएंट को कहा जा रहा है। महामारी को रोकने के लिए चीन की 'जीरो-कोविड' रणनीति के लिए ये वेरिएंट एक बार फिर सबसे कड़ी चुनौती पेश कर रहा है।

### कार्टून कोना

## अमेरिका ने भारत से कहा रुस से तेल नहीं खरीदें, जर्मनी के मामले में सधी चुप्पी

दुनिया के सामने आया अमेरिका दोतरफा रुख

वॉशिंगटन ( ईएमएस )। रूस से सस्ता तेल खरीदने पर अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका ने कहा है कि रूस से सस्ता तेल खरीदकर भारत अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका ने चेतावनी दी कि भारत का यह कदम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को 'इतिहास के गलत पक्ष की ओर डाल देगा। अमेरिका का बयान उस समय पर आया हैं, जब दुनिया में तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इतना ही नहीं जर्मनी सहित कई यूरोपीय देश अभी भी रूस से तेल और गैस खरीद रहे हैं। इसके पहले ऐसी खबरें आई थीं कि भारत रूस से सस्ता तेल और अन्य सामान डिस्काउंट पर खरीदने पर विचार कर रहा है। तब जब अमेरिका ने रूस से सारे ऊर्जा आयात रोक दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस की प्रवक्ता जेन पसाकी ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन का दुनिया के देशों को संदेश है कि वे अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करें। यह पूछने पर कि क्या भारत का तेल खरीदना प्रतिबंधों का उल्लंघन होगा, इस पर पास्की ने कहा, 'मैं नहीं मानती हूं कि यह उसका उल्लंघन होगा लेकिन आपको यह सोचना होगा कि आपके किसके साथ खड़े हो रहे हैं।'

पसाकी ने कहा, जब इतिहास की किताबें इस समय लिखी जा रही हैं, रूस का समर्थन ( रूसी नेतृत्व ) करना हमले का समर्थन जैसा है और इसका विनाशकारी असर पड़ेगा।' भारत ने अभी तक यूक्रेन पर हमले की निंदा नहीं की है। इतना ही नहीं भारत रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहा था। हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वे चाहते हैं कि भारत रूस से जितना संभव हो सके दूरी बना ले। हालांकि उन्होंने माना कि भारत रूस पर हथियारों से लेकर गोला-बारूद तक के लिए निर्भर है।

इसके पहले पिछले सप्ताह रूसी डेप्युटी पीएम अलेक्जेंडर नोवाक ने भारतीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी से कहा था कि उनका देश भारत को तेल का निर्यात बढ़ाना चाहता है। यही नहीं रूस चाहता है, कि भारत उनके देश के तेल क्षेत्र में निवेश करे। पुतिन सरकार के मुताबिक भारत को तेल और पेट्रोलियम निर्यात एक अरब डॉलर तक पहुंचने जा रहा है। रूसी नेता ने कहा कि उनका देश कुडनकुलम परमाणु ब

## जन हितैषी

# हिजाब पर विराम

कर्नाटक में पिछले कुछ माह से हिजाब पर चल रहे विवाद का पटाक्षेप हो गया। मंगलवार को हाईकोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने फैसले में कहा कि कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं मिलेगी। पिछले 74 दिन से इस मामले पर जारी घमासान को लेकर दिए फैसले में हाईकोर्ट ने दो अहम बातें कहीं। पहली- हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। दूसरी- स्टूडेंट्स स्कूल या कॉलेज की तयशुदा यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं कर सकते। हाईकोर्ट ने हिजाब के समर्थन में मुस्लिम लड़कियों समेत दूसरे लोगों की तरफ से लगाई गईं सभी 8 याचिकाएं खारिज कर दीं। चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी, जस्टिस कृष्ण एस. दीक्षित और जस्टिस खाजी जयबुन्नेसा मोहियुद्दीन की तीन मेंबर वाली बेंच ने राज्य सरकार के 5 फरवरी को दिए गए आदेश को भी निरस्त करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्कूल यूनिफॉर्म को जरूरी बताया गया था। मंगलवार को फैसला सुनाने से पहले हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी ने कहा कि इस मामले में दो सवालों पर गौर करना अहम है। पहला- क्या हिजाब पहनना आर्टिकल 25 के तहत धार्मिक आजादी के अधिकार में आता है। दूसरा- क्या स्कूल यूनिफॉर्म पहनने को कहना इस आजादी का हनन है। इसके बाद हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर बैन को सही ठहराया। कर्नाटक के उडुपी में हिजाब पहनने को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ते हुए यहां तक पहुंच गया कि सरकार को राज्य भर के स्कूल, कॉलेज बंद करने पड़े। विवाद तब शुरू हुआ, जब उडुपी के एक कॉलेज में छह लड़कियों को अंदर जाने से इस आधार पर रोक दिया गया कि वे हिजाब पहने हुए हैं। विवाद में अगला मोड़ तब आया, जब कुछ लड़के भगवा गमछा डालकर आ गए। उनका कहना था कि अगर लड़कियों को हिजाब पहनने दिया गया तो हम भी भगवा गमछा डालेंगे। इसके बाद यह मामला आसपास के इलाकों में भी फैल गया और तनाव बढ़ने लगा। बहरहाल, ध्यान देने की बात है कि एक शहर के एक कॉलेज का छोटा सा मामला जो थोड़ी सी समझदारी से सुलझाया जा सकता था, न केवल एक महीने तक जारी रहा बल्कि फैलते हुए पूरे राज्य में इतने बड़े बवाल का कारण बन गया। अचानक ऐसा क्या हो गया कि विधायक की अगुवाई में चलने वाले उस कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने से रोकने का नियम लागू करना अनिवार्य हो गया? फिर यह सवाल भी है कि जो विवाद कुछ लड़कियों और कॉलेज प्रशासन के बीच था, उसने राजनीतिक रंग कैसे ले लिया? साफ है कि यह विवाद जितना स्वतःस्फूर्त लगता है, उतना है नहीं। परदे के पीछे से इसमें राजनीति अहम भूमिका निभा रही है। इस इलाके में बीजेपी और पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया ( पीएफआई ) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ( एसडीपीआई ) के बीच चलने वाली रस्साकशी ही इस विवाद के मूल में है। हिजाब के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन करे रहे लड़के-लड़कियों को एसडीपीआई की स्टूडेंट विंग सीएफआई और बीजेपी की स्टूडेंट विंग एबीवीपी का समर्थन हासिल था। मगर दोनों के बीच राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई का नतीजा यह हुआ कि जिन बच्चों को आपस में मिलजुल कर पढ़ाई पर ध्यान लगाना चाहिए था वे पहनावे के आधार पर एक-दूसरे को अपने विरोधी और दुश्मन की तरह देखने लगे। यह स्थिति न केवल शैक्षिक सत्र के लिए नुकसानदेह है बल्कि स्कूल-कॉलेजों के माहौल को लंबे समय तक के लिए दूषित कर सकती है। बता दें कि इस विवाद में पाकिस्तान भी कूद चुका है। पाकिस्तान के एक मंत्री फवाद चौधरी ने बयान दिया था कि हिजाब पहनने से छात्राओं को नहीं रोका जाना चाहिए। नोबल पुरस्कार प्राप्त मलाला यूसुफजई ने भी कहा है कि हिजाब न पहनने देना भयावह है। भारत के राजनीतिक दलों के नेता तो पहले ही इस मामले को लेकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर पाबंदी लगाए जाने के आदेश को अल्पसंख्यक लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने का षडयंत्र करार दे दिया था। इन लोगों का बयान राजनीति की वजह से ही आया। कुल मिलाकर बात का बतंगड़ बनाया गया। जबकि सीधी सी बात यह है कि किसी भी स्कूल या कालेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए क्या पहनना है यह तय करना उन स्कूलों और कॉलेजों का काम है। हर शिक्षण संस्थान का अपना ड्रेस कोड होता है। वहां पढ़ने वालों को ड्रेस कोड का पालन करना पड़ता है। कोई भी कुछ भी पहनकर नहीं जा सकता। ऐसे में कर्नाटक में राज्य सरकार के फैसले को लेकर विवाद खड़ा करना शुद्ध राजनीति है। यह ठीक है कि हर राजनीतिक दल को विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनीति करने का अधिकार है लेकिन छात्रों के कंधों पर बंदूक रख के निशाना साधना कतई उचित नहीं है।

## दैनिक पंचांग

**17 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मीन | 06.00 बजे से |
| चंद्र | सिंह में | मेष | 07.35 बजे से |
| मंगल | मकर में | वृष | 09.15 बजे से |
| बुध | कुंभ में | मिथुन | 11.13 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | कर्क | 13.26 बजे से |
| शुक्र | मकर में | सिंह | 15.42 बजे से |
| शनि | मकर में | कन्या | 17.54 बजे से |
| राहु | वृष में | तुला | 20.05 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | वृश्चिक | 22.20 ब.से |
| राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक | | धनु | 00.36 बजे से |
| | | मकर | 02.41 बजे से |
| | | कुंभ | 04.27 बजे से |

**गुरुवार** 2022 वर्ष का 76 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 13.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शूल 01.07 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.30 बजे तदनन्तर विष्टि 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 27' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871190 **जूलियन दिन** 2459655.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 13 **विशेष** छोटी होली, होलिका दहन, फाल्गुन चौमासी चौदस, पूर्णिमा व्रत।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से | 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से | 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से | 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से | 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से | 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से | 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 7228

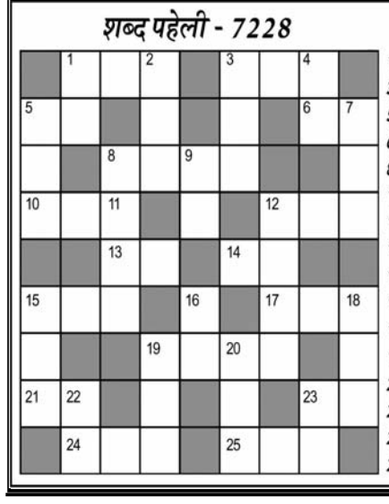

**बाएँ से दाएँ**

1.तरंग,हिलोर-3
3.झगड़ा,द्वेष,कहासुनी-3
5.पार्थिव देह-2
6.जरा,थोड़ा-2
8.रहस्य जानने वाला-4
10.दरवेश, औलिया,पीर-3
12.बहुतांश-3
13.राजनीतिक पार्टी-2
14.हिरासत-2
15.साजन,प्रेमी-3
17.देवर्षि-3
19.भगवान,रब,करतार -4
21.श्रवणेंद्रिय-2
23.प्राण,जीवन तत्व-2
24.द्रव पदार्थ-3
25.डोली उठाने वाले-4

**ऊपर से नीचे**

1.भगवान राम का एक पुत्र-2
2.दया,करुणा-3
3.शर्ट,बुशर्ट-3
4.अधिकार-2
5.भद्र,कुलीन-3
7.बड़ा भवन,कोठी-3
8.हमेशा,हर पल-4
9.यात्री,पथिक,राहगीर-2
12.कुख्यात-2,2
15.तमीज,तहजीब-3
16.रात्रि,रजनी-2
18.शोषण करना,दबाना-3
19.आसान,सीधा-3
20.नाव चलाने वाला-3
22.झुका हुआ-2
23.मर्तबान,रस का राजा-2

**शब्द पहेली -7227 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | न | | श | री | र | | ज | ला |
| त | | ह | र | म | | न | हा | ना |
| | आ | रा | म | | रा | ज | न | |
| क | स | म | | ल | ह | र | | त |
| र | न | | ग | ल | त | | भ | ला |
| म | | स | ब | क | | का | र | क |
| | आ | ब | रु | | ह | र | ना | |
| म | ह | ल | | का | र | ण | | त |
| न | ट | | क | ल | म | | शा | न |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# लोकगीतों में खूब जमता है होली का रंग!

देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरीकों से होली मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में होली के पांचवें दिन रंगपंचमी मनाई जाती है।यह मुख्य होली से भी अधिक जोर-शोर से मनाई जाती है।ब्रज की होली पूरे भारत में मशहूर है। बरसाना की लट्ठमार होली देखने के लिए देश विदेश से लोग आते हैं। हरियाणा में भाभी द्वारा देवर को सताने की परंपरा है। महाराष्ट्र में रंग पंचमी के दिन सूखे गुलाल से खेलने की परंपरा है।दक्षिण गुजरात के आदि-वासियों के लिए होली एक खास पर्व है। छत्तीसगढ़ में होली पर लोक-गीतों का प्रचलन है।

विभिन्न रंगो का पर्व होली एक ऐसा सामाजिक त्यौहार है जिसे सभी मिलकर हर्षोल्लास के साथ मनाते है। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होली का मुख्य पर्व मनाया जाता है। भद्रा रहित लग्न में सायंकाल के बाद होलिका दहन करने की होली पर परम्परा है। इससे पूर्व दिन भर होलिका का पूजन किया जाता है तथा घर की बालिकाओं द्वारा गोबर से बनाये गए बडकल्ले भी होलिका पर चढाये जाते है।होलिका दहन के बाद होलिका की राख ठन्डी होने पर उसे भस्म रूप में शरीर पर लगाने की भी परम्परा है। ताकि मन और शरीर वर्षभर स्वस्थ्य रह सके। वैदिक काल में होली पर्व को नवान्नेष्टि यज्ञ कहा जाता था। खेत में पैदा हुए अधपके अन्न को यज्ञ में आहुत किया जाता था और यज्ञ में पके अन्न को होला कहा जाता था। इसी कारण इस पर्व का नाम होला से होली पडा है। एक अन्य मान्यता के अनुसार होली अग्नि देव की पूजा का माध्यम भी है। चूंकि इस दिन मनु महाराज का जन्म हुआ था इस कारण इस पर्व को मन्वादितिथि भी कहा जाता है। इस पर्व का एक उददेश्य काम दहन से भी है। कहा जाता है कि भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से इस पर्व की शुरूआत होना बताई गई है।प्रकृति जब अपना आवरण बदलने लगे ,मौसम में बासंती ब्यार बहने लगे और लोगो में मस्ती का भाव जगने लगे तो समझो फाल्गुन आ गया और होली लोगो के दिलो पर दस्तक देकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी, एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करती है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस पर हम सब रंगो से सराबोर हो जाते है।

होली वेद इस पर्व को यौवनोत्सव,मदनोत्सव,बसंतोत्सव दोलयात्रा व शिमागा के रूप में मनाये जाने की परम्परा है।लेकिन इस पर्व की वास्तविक शुरूआत प्रकृति परिवर्तन से ही होती है। प्रकृति अपना आवरण बदलती है। पेड पोधे अपने पुराने पत्तो को त्यागकर पेड का तना अपने बक्कल को छोडकर नये पत्तो व नये स्वरूप में परिवर्तित होते है। इसी प्रकार मनुष्य के शरीर की खाल तक धीरे धीरे बदल जाती है।

पांच तत्वों से बना हमारा शरीर भी चूंकि प्रकृति का अंग है इसकारण वह भी मन और शरीर दोनो तरह से अपने आपमें परिवर्तन का अनुभव करता है। यही अनुभव हम होली के रूप में तहसूस करते है।

धार्मिक पुस्तको व शास्त्रों में होली को लेकर विभिन्न दन्त कथायें प्रचलित है। इन कथाओं के अनुसार नारद पुराण में यह पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के अन्त व भक्त प्रहलाद की ईश्वर के प्रति आस्था के प्रति विजय का प्रतीक है। प्रचलित कथा के अनुसार हिरण्य कश्यपको जब उनके पुत्र प्रहलाद ने भगवान मानने से इंकार कर दिया तो अहंकारी शासक हिरण्य कश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की हत्या के लिए उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका की गोद में जलती चिता में बैठा दिया किन्तु होलिका का आग में न जलने का वरदान काम नही आया और वह आग में जलकर भस्म हो गई। जबकि प्रहलाद सकुशल बच गया। तभी से होलिकोत्सव पर होली दहन की परम्परा की शुरूआत हुई।

होली पर्व पर गाये जाने वाले होली से जुडे लोकगीतो की अनूठी परम्परा है। मै कैसे खेलू होली सांवरियां के संगए कोरे कोरे कलस भराये उनमें धोला रंगाजैसे लोक गीत का गायन कर महिलाएं झूम झूम कर होली पर नृत्य भी करती है। होली के लोकगीतो में ब्रज में हरि होरी मचाईए इतते निकली सुधर राधिका उतते कुंवर कन्हाईखेलत फाग परस्पर हिलमिलए शोभा वरनी न जाई।

जहां लोकप्रिय हैए वही होली आई रे कन्हाई ब्रज के रसिया एहोली आई रे भी जोर सोर से गाया जाता है। चाहे शहर हो या गांव हर गली मोहल्ले में पुरातन परम्परा से जुडी महिलायें पूर्णिमा की चांदनी में एकत्र होकर होली के गीत गाती है और होली नृत्य करती है। इन होली लोकगीतो में ,होली खेलो जी राधे सम्भाल के। जमना तट श्याम खेले होरी जमना तट । होरी खेलन आयों श्यामएआज याको रंग में बोरो सखी वृन्दावन के बीच आज ढफ बाजे है। फागुन आयों रे ऐ ली फागण आयों रे ,मेरी भीजे रेशम चुनरी रे,मै कैसे खेलूं होरी रे।होरी खेल रहे नन्द लाल मथुरा की कुंज गलिन मेएआज बिरज की होरी रे रसिया होरी तो होरी बरजोरी रे रसिया उडत अबीर गुलाल कुमकुम केसर की पिचकारी रे रसिया। आदि शामिल है। होली के पर्व को मुगल शासक भी शान से मनाया करते थे।

मुगल बादशाह अकबर अपनी महारानी जोधाबाई के साथ जमकर होली खेलते थे। बादशाह जहांगीर ने भी अपनी पत्नी नूरजहां के साथ रंगो की होली खेली। इसी तरह बादशाह औरंगजेब उनके पुत्र शाह आलम और पोत्र जहांदर शाह ने भी होली का त्योहार रंगो के साथ मस्ती के आलम में मनाया जिसका उल्लेख इतिहास में पढने को मिलता है। जिससे स्पष्ट है कि हिन्दू ही नही मुस्लमान भी होली का पर्व मनाते रहे है। पिरान कलियर के वार्षिक उर्स में पाकिस्तान से आने वाले जायरीन हर साल फूलो की होली खेलते है जिसमें हिन्दू और मुस्लमान दोनो शामिल होते है। राजस्थानी की होली रेगिस्तान की पहचान राजस्थान में सांभर की होली का अपना महत्व है। सांभर की होलीमनाने के लिए आदिवासी समाज की लडकियां वस्त्रो की जगह अपने शरीर को टेसू की फूल मालाओं से ढककर अपने प्रेमियों के साथ नदी किनारे जाकर सर्प नृत्य करती है। इस सर्प नृत्य के बाद इन लडकियो की शादी उनके प्रेमियों के साथ कर दी जाती है।

होली जिसमें देवर भाभी व जीजा शाली एक दुसरे को कोडे मार कर होली के रगं में रंग जाते है। इसी राजस्थान में होली पर अकबर बीरबल की शोभा यात्रा निकालकर होली का रगं व गुलाल खेला जाता है। राजस्थान के बाडमेंर में तो होली की मस्ती के लिए जीवित व्यक्तियों की शवयात्रा बैण्डबाजे के साथ निकालने की परम्परा है। वही राजस्थान के जालोर क्षेत्र में होली पर लूर नृत्य किया जाता है तो झालावाड क्षेत्र में गधे पर बैठकर होली की मस्ती में झूमने की परम्परा है। बीहड क्षेत्र में तो पुरूष धाधरा चोली पहन कर ढोल नंगाडे बजाते हुए होली का नृत्य करते है तथा होली का गायन करते है। मथुरा की लठठमार होली बीकानेर की डोलचीमार होली की कहानी भी गजब है। मथुरा की लठठमार होली लठठमार होली मथुरा के बरसाने में खेली जाती है।

जिसमें महिलाए पुरूषो पर लठठ से प्रहार करती है और पुरूष ढाल का उपयोग कर अपना बचाव करते है।इस लठठमार होली को देखने के लिए देश विदेश से बडी सखंया में श्रद्धालु मथुरा आते है। भले ही इस होली को लठठमार होली के रूप में मनाया जाता हो परन्तु किसी के भी मन में होली खेलते समय कोई बैर भाव नही होता सभी प्यार और माहब्बत को नया जन्म देने के लिए यह होली खेलते है।

होली यानि पवित्र होने का दिन यूं तो होली रंगों का त्यौहार है ताकि जीवन रंग बिरगां रहे और कोई भी दुख दर्द पास न आने पाये लेकिन साथ ही यह पर्व पांच विकारों को त्यागने का भी एक बडा अवसर है। होली शब्द का अर्थ यदि हम अंग्रेजी के में देखे तो पवित्र होता है जिसका मायने है कि हमें होली पर पवित्र बनने का सकल्ंप लेना चाहिए। जिसके लिए जरूरी है काम,क्रोध,मोह लोभ और अहंकार से मुक्त हो जाना। तभी हमारा जीवन देवतूल्य बन सकता है और होली पर्व की सार्थकता हो सकती है। लेकिन कुछ लोग होली पर नशा करते है। एक दुसरे पर कीचड उछालते है और होली के रंग को बदरंग बना देते है। जो कि पूरी तरह से गलत है। होली का सही मायने है।

आपसी भाई चारा बढाना और जो भी बैर भाव किसी के प्रति है उसे हमेशा हमेशा के लिए समाप्त कर देना। तभी होली का असली रसानन्द प्राप्त किया जा सकता है।

होली का रंग चढ़ने लगा है
हर कोई मदमस्त होने लगा है
प्रकृति भी खिली खिली दिखने लगी
मौसम मे गर्माहट सी होने लगी
पर होली पर हुड़दंग ठीक नही है
होली पर बदरंगता ठीक नही है
होली पर होली रहना जरूरी है
बुराईयों से मुक्ति पाना जरूरी है
जो भी विकार बचे है जला दो होली मे
आत्मा का परमात्मा से योग लगा लो होली में।

( लेखक- डा0श्रीगोपालनारसन / ईएमएस )

# शत्रुता समाप्त करने का पर्व होली

भारत संस्कृति प्रधान देश है। इसी कारण भारत का वातावरण भी सांस्कृतिक है। ऐसे वातावरण को बनाने में हमारे त्यौहारों का विशेष योगदान है। इन त्यौहारों के पीछे जो संदेश छिपे होते हैं, वह सामाजिक एकता का संदेश प्रवाहित करते हैं। लोक चेतना के भाव से अनुप्राणित हमारे त्यौहार वास्तव में हमारे जीवंत संस्कारों की ऐसी धरोहर है, जिसकी मिसाल विश्व के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलती, लेकिन जहां इन त्यौहारों की झलक प्रादुर्भित होती है, वहां किसी न किसी रूप में भारत के संस्कारों का प्रभाव है। आज दुनिया के कई देशों में भारतीय त्यौहार भी धूमधाम और परंपरा के साथ मनाए जाते हैं। जो निश्चित ही यह बोध कराता है कि हमारी संस्कृति सर्वग्राही है, सर्वव्यापक है। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि हम भारतीय जन अपने त्यौहारों की व्यापकता को विस्मृत करते जा रहे है। उनका स्वरूप बदल दिया है। इसीलिए ही हमारे देश की नई पीढ़ी अपने भारत से दूर होती दिखाई देने लगी है। यह दृष्टिकोण जहां मानसिक विचारों में संकुचन का भाव पैदा कर रहा है, वहीं अपनी संस्कृति से दूर होने का अहसास भी करा रहा है।

भारत के मुख्य त्यौहारों में शामिल होली का त्यौहार विविधता को एक रूप में स्थापित करते हुए सामाजिक एकता का बोध कराने वाला है। जिस प्रकार अनेक रंग मिलकर एक नया रंग बनाते हैं, उसी प्रकार भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले जन भी एक ही भाव से होली का त्यौहार मनाते हैं। यहां क्षेत्रीयता के आधार पर विभाजन करने वाली दीवारें धराशायी हो जाती हैं। पूरे भारत में होली का उल्लास ही दिखाई देता है। सब एक ही रंग में रंगे हुए दिखाई देते हैं। इसलिए होली को भारत की एकता का त्यौहार निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

होली को कुछ लोग हुड़दंग का त्यौहार बताते हैं, जबकि सत्य यह है कि यह हुड़दंग ही होली की मस्ती है, यह मस्ती होली का उल्लास है। हमने फ़िल्म शोले का एक गाना अवश्य ही सुना होगा। होली के दिन दिल खिल जाते हैं, दुश्मन भी गले मिल जाते हैं। वास्तव में यह गाना भले ही काल्पनिक चित्रांकन का हिस्सा है, लेकिन इस गीत में होली के वास्तविक स्वरुप से परिचय कराया गया है। यह गाना हमारे जीवन का हिस्सा है। इसलिए कहा जा सकता है कि होली के रंग प्यार और अपनत्व की भाव धारा को ही प्रस्फुटित करते हैं, जिसमें शत्रुता के भावों का स्वतः ही शमन हो जाता है। होली का त्यौहार हिल मिलकर जीने का संदेश देता है। इसमें जो रंग उड़ते दिखाई देते हैं वे प्यार के रंग हैं, तकरार के नहीं। होली दुश्मन को भी दोस्त बनाने वाला त्यौहार है। हम होली के वास्तविक स्वरूप को समझेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें होली का संदेश भी समझ में आएगा और समाज में कोई दुश्मन भी नहीं रहेगा।

भारत में होली की प्रचलित धारणाओं के बारे में यही कहा जाता कि होली का वास्तविक स्वरूप देखना हो तो ब्रज की होली को साक्षात देखिए। वहां दोस्त ही नहीं दुश्मनों के साथ भी होली खेलने का आनंद दिखाई देता है। ब्रज की लठ्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है, जिसे देखने के लिए कई देशों के लोग ब्रजभूमि में आते हैं और होली खेलने वाले लोगों को फटी आंख से देखते रहते हैं। विदेशी लोगों के लिए भारत की होली का यह स्वरूप एक अजूबा जैसा ही होता है। ब्रज भूमि में होली को देखकर यह सहज में ही पता चल जाता है कि होली का त्यौहार संस्कृति और धर्म से गहरा नाता स्थापित किए हुए है। इतना ही नहीं होली का त्यौहार प्रकृति के साथ सामंजस्य भी स्थापित करता है। हम जानते कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। होली के अवसर पर किसान अपनी फसल को देखकर प्रसन्न होता है। खेत में खड़ी फसल उत्पादन का पहला हिस्सा अग्नि को समर्पित करता है। उसके बार उसे घर लाने की तैयारी होने लगती है। कुल मिलाकर किसान अत्यंत ही प्रसन्न रहता है, जो एक उल्लास के रूप में प्रकट होता है। इसके साथ ही होली के अवसर प्रकृति का मनोहारी रूप भी दिखाई देता है यानी प्रकृति भी उल्लासमय है। यह बातें होली के त्यौहार को प्रकृति से जुड़ा होने का प्रमाण हैं।

हिंदी महीने के फागुन मास में मनाए जाने वाले इस त्यौहार में बुराई पर अच्छाई का संदेश भी छिपा हुआ है। हिरण्यकश्यप नाम का राक्षस अपने आपको भगवान के। समतुल्य मानने की भूल कर बैठा था, लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान की भक्ति में लीन रहता था। हिरणकश्यप को अपने पुत्र की यह भक्ति नागवार गुजरती थी। इसी के चलते हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद की जान लेना चाही और आग में न जलने का वरदान प्राप्त कर चुकी अपनी बहन होलिका की गोद में प्रह्लाद को बैठा दिया। होलिका जल गई और भगवान की कृपा से प्रह्लाद बच गया। इसलिए यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि जिस पर भगवान की कृपा होती है, उससे मृत्यु भी दूर हो जाती है।

होली वास्तव में एक ऐसा सतरंगी त्यौहार है, जिसे सभी भारत वासी पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सुसज्जित यह त्यौहार संप्रदाय और जाति के बंधनों को खोल देता है, सभी भाई चारे के साथ होली के त्यौहार को मनाते हैं।

होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिस हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सजा यह पर्व जाति और संप्रदाय के बंधनों से मुक्त होकर होली मनाने की प्रेरणा देता है। इस दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूल कर गले लगते हैं और एक दूजे को गुलाल लगाते हैं। बच्चे और युवा रंगों से खेलते हैं। वर्तमान में हम सभी को यह भी ध्यान रखना है कि आजकल बाजार में जो रंग मिलते हैं, उसमें कई प्रकार के हानिकारक रसायन मिलाए जाते हैं जो हमारे जीवन के रंग में भंग का काम कर सकता है। इससे त्वचा को भारी नुकसान भी हो सकता है। इस मनभावन त्यौहार पर रासायनिक रंग व नशे आदि से दूर रहना चाहिए। इसलिए मिलजुलकर पूरे उल्लास के साथ होली मनाएं, यही होली की सार्थकता है। ( लेखक- डॉ. वंदना सेन/ ईएमएस )

## आज का इतिहास 17 मार्च

1337 इंग्लैंड नरशे एडवर्ड तृतीय अपने बड़े पुत्र एडुवर्ड के लिए कानेवाल की डटी का गठन किया.
1769 ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के बुनकरों पर कड़े प्रतिबंध लगाए.
1776 जार्ज वॉशिंगटन ने विलियम होव के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों की बोस्टन से हटने के लिए मजबूर कर दिया.
1782 ईस्ट इंडिया कंपनी और सिंधिया के बीच संधि हुई.
1860 न्यूजीलैंड में दूसरा माओरी युद्ध भड़का.
1939 ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चैम्बलिन ने एडोल्फ हिटलर पर वादा तोड़ने का आरोप लगाया.
1955 वर्धा का सेवाग्राम आश्रम बंद कर दिया गया.
1958 अमरीका ने अपने दूसरे भू उपग्रह वैनगार्ड प्रथम का प्रक्षेपण किया.
1959 दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आए .
1963 वाली में आगंग ज्वालामुखी के फूटने से ग्यारह हजार से अधिक लोग मारे गए.
1988 भारतीय उपग्रह आईआरएस- 1 ए का श्रीहरिकोटा में असफल परीक्षण.
1992 ब्यूनस आयर्स स्थित इजरायली दूतावास के बाहर कार बम विस्फोट से 29 व्यक्ति मारे गए.
1998 चीन के सुधारवादी अर्थशास्त्री शु कांगजी प्रधानमंत्री चुने गए.
2002 गोधरा कांड का मुख्य अभियुक्त हाजी बिलाल पकड़ा गया.

## राही , मनु राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में जीते

नई दिल्ली ( ईएमएस )। महिला निशाने राही सरनोबत और मनु भाकर को राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में जीत मिली है। एशियाई चैम्पियन रहीं सरनोबत ने राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी1 स्पर्धा में जीत दर्ज की। राही ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में अभिज्ञा अशोक पाटिल को 19.16 से हराया। वहीं ओलिम्पियन मनु को जूनियर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पहला स्थान मिला। मनु ने अपने वर्ग में रिदम को 19.14 से हराया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में पार्थ माखीजा ने जूनियर पुरूष दस मीटर एयर राइफल जीती। एक अन्य मुकाबले में रिदम सांगवान ने चिंकी यादव को हराकर कांस्य पदक जीता। पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल टी1 स्पर्धा में दिल्ली के माखीजा ने पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ को 16.4 से पराजित किया। इसके बाद जूनियर वर्ग में विश्व के पूर्व नंबर एक राजस्थान के दिव्यांश सिंह पंवार को 16.10 से शिकस्त दी।

## खेल - समाचार

### पाक-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट : आजम और अब्दुल्ला के बीच हुई 228 रनों की रिकार्ड साझेदारी

कराची ( ईएमएस )। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 228 रनों की साझेदारी बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। 524 गेंदों पर बनी यह साझेदारी हाल के दिनों में बनी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाक के सामने जीत के लिए 506 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चौथे दिन ही पाक टीम ने 23 ओवर में ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद बाबर और शफीक ने रिकार्ड साझेदारीकर टीम को संभाला।

दोनों के बीच हुई ये साझेदारी हाल के दौर की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। कराची के इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 556 रन बनाए थे। इसके बाद कंगारुओं ने अपनी दूसरी पारी को दो विकेट पर 97 रन बनाकर घोषित कर दिया था। वहीं पाक टीम अपनी पहली पारी में 148 रनों पर ही आउट हो गयी थी

### शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी मिलना गर्व का क्षण : आनंद

चेन्नई ( ईएमएस )। 44वें शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी चेन्नई को मिलने पर दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने खुशी व्यक्त की है। आनंद ने कहा कि यह चेन्नई ओर देश के लिए खुशी की बात है। शतरंज ओलंपियाड का आयोजन 26 जुलाई से आठ अगस्त के बीच किया जाएगा। चेन्नई को पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी मिलने की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट के जरिये दी।

इसके बाद आनंद ने लिखा, ''चेन्नई को शतरंज का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। पूरे भारतीय और चेन्नई के शतरंज समुदाय के लिए यह विशेष क्षण है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ और विश्व शतरंज की शीर्ष संस्था ( फिडे ) ने इतने आराम से साथ मिलकर काम किया जिसकी सराहना होनी चाहिए। ''

फिडे ने ट्वीट किया, ''चेन्नई दिग्गज विश्वनाथन आनंद का घर है और यहां 2013 विश्व चैंपियनशिप मुकाबले का आयोजन हुआ था जहां मैग्नस कार्लसन विश्वनाथन आनंद को हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बने थे।'' आनंद ने फिडे को धन्यवाद देते हुए एक पत्र भी लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि यह निजी गौरव की बात है कि देश शतरंज की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक की मेजबानी कर रहा है।

### आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बुमराह चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली ( ईएमएस )। आईसीसी की ताज टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह ने लंबी छलांग लगायी है। बुमराह 6 स्थान की छलांग लगाकर 830 अंक लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पूर्व कप्तान वि

# अमेरिका ने कहा भारत से पाक में गिरी मिसाइल दुर्घटनावश चली

-इसके अलावा कोई अन्य कारण नजर नहीं आताः नेड प्राइस

वाशिंगटन( ईएमएस )। अमेरिका ने कहा है कि हाल में भारत की ओर से पाकिस्तान में गिरी मिसाइल के दुर्घटनावश चलने के अलावा अन्य कोई कारण नजर नहीं आता। भारत सरकार ने गत शुक्रवार को कहा था कि दो दिन पहले गलती से एक मिसाइल चल गई थी, जो पाकिस्तान में गिरी और यह बेहद खेदजनक घटना नियमित रख रखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, जैसा कि आपने हमारे भारतीय साथियों से भी सुना है कि यह घटना एक गलती के अलावा और कुछ भी नहीं थी, हमें भी इसके पीछे और कोई कारण नजर नहीं आता है।

प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''आप इस संबंध में अन्य कोई भी सवाल भारतीय रक्षा मंत्रालय से करें। उन्होंने नौ मार्च को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि वास्तव में उस दिन क्या हुआ था। हम उससे इतर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।'' इससे पहले नई दिल्ली में, भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और इसमें एक 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' का आदेश दिया है। उससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने कहा था कि भारत द्वारा छोड़ी गई एक ''तेज गति से उड़ने वाली एक वस्तु'' उसके हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई और पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में मियां चन्नू के पास गिरी। पाकिस्तान ने गुरुवार रात इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग प्रभारी को समन किया था और भारतीय 'सुपरसोनिक प्रोजेक्टाइल' के उसके हवाई क्षेत्र में ''बिना किसी कारण'' प्रवेश पर कड़ा विरोध व्यक्त किया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी घटना की गहन संयुक्त जांच की मांग की है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा था, ''तकनीकी खराबी के कारण नौ मार्च को नियमित रखरखाव के दौरान दुर्घटनावश एक मिसाइल चल गई। भारत सरकार ने दुर्घटनावश मिसाइल चल जाने की घटना को गंभीरता से लिया है और उच्च स्तरीय 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए हैं।'' बयान में कहा गया, ''पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में गिरी है। यह घटना अत्यंत खेदजनक है। राहत की बात है कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

# हांगकांग में कोरोना का कहर, अंतिम संस्कार करने वाली जगह पूरी तरह से बुक

बीजिंग ( ईएमएस )। कोरोना के बढ़ते मामलों ने चीन के साथ-साथ हॉन्ग कॉन्ग की भी परेशानी बढ़ा दी है। हांगकांग में मौत के आंकड़े भी तेजी से ऊपर जा रहे हैं। जिससे मिड-अप्रैल तक वहां अंतिम संस्कार करने वाली जगह पूरी तरह से बुक हो चुकी है। बताया जा रहा हैं कि ये समस्या हॉस्पिटल में सिंपल फेयरवेल सेरेमनी के बंद होने और डेथ डाक्यूमेंट्स के प्रोसेस में लंबा टाइम लगने की वजह से हो रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो शव के दस्तावेज तैयार होने में ही 10 दिन तक लग जा रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है। इसमें मरीजों के बीच बैग में पैक शवें दिख रही हैं।

अस्पताल प्रशासन ने फोटो को सही बताकर कहा है कि ये कुछ समय पहले की फोटो है। उन्होंने मरीजों से माफी मांगकर कहा कि समस्या का समाधान किया जा चुका है। फ्यूनरल बिजनेस एसोसिएशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने कहा कि अंतिम संस्कार में समस्या ना हो इसके लिए सरकार को कुछ करना चाहिए।उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार करने वाली जगहें पूरी तरह से बुक हैं।और ज्यादातर जगहों पर मिड या आखिरी अप्रैल तक कोई स्लॉट खाली नहीं है। शहर में सिर्फ 121 फ्यूनरल हॉल ही हैं, लेकिन रोजाना होने वाली मौत का आंकड़ा 200 तक पहुंच गया है।

बता दें कि हांगकांग में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बीते रविवार को यहां कोविड के 32,430 नए केस सामने आएं थें।वहीं 264 लोगों की मौत हो गई थी। हॉन्ग कॉन्ग के नेता ने कहा कि शहर के 3,00,000 लोग घर में आइसोलेट हैं। जहां एक तरफ दुनिया में कोविड के नियमों में छूट दी जा रही है। वहीं यहां नियमों को और सख्त किया गया है। हॉन्ग कॉन्ग में दूसरे जगहों से आए लोगों और किसी संक्रमित के संपर्क में आए लोगों के लिए 21 दिन के क्वारंटीन का नियम बनाया गया है।

# रूस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और अन्य शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाये

मॉस्को ( ईएमएस )। रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले के खिलाफ अमेरिका ने 'मॉस्को' पर कई प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी, इसके जवाब में रूस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और अन्य शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों के रूस पर प्रतिबंध और आर्थिक दंडों के कारण कई कंपनियों ने रूस में काम करना बंद कर दिया है। इसका सबसे बड़ा असर आम ज़िंदगी पर पड़ा है। रूस में महंगाई बढ़ गई है और कई संस्थानों में नौकरियां कम होने का खतरा बढ़ गया है।

रूस में खाद्य तेल, चीनी और और दूसरी ज़रूरी चीजों के दाम प्रतिबंधों के बाद से ही बढ़ गए थे। मास्को और दूसरे शहरों में दवाओं की बिक्री को सीमित किया जा रहा है और जमाखोरी की भी खबरें आईं हैं। चीनी के दाम 20ज्ञ तक बढ़ गए हैं। रुस की मुद्रा रूबल यूक्रेन पर हमला शुरू होने के बाद से ही गिरना शुरू हुई थी। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद रूस विदेशी मुद्रा में डॉलर और यूरो रिजर्व का प्रयोग नहीं कर पा रहा है। इसके उपाय के तौर पर रूस विदेश मुद्रा के तौर पर चीनी मुद्रा युआन का प्रयोग करेगा। रूस के वित्त मंत्री अंटोन सिलुआनोव ने यह जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण रूस में स्मार्टफोन और लैपटॉप मंहगे हो गए हैं क्योंकि इनकी सप्लाई पर प्रतिबंध लग गए हैं। स्मार्टफोन और टीवी के दाम 10ज्ञ तक बढ़ गए हैं। रूस में अब नाइकी, एप्पल और आइकिया के सामान नहीं बिक रहे हैं। रूस के वित्तीय संस्थानों को ऐंड्ढऊ अंतर्राष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम से हटा दिया गया है। इससे रूस में पेमेंट करना और रूस के बाहर पैसा पहुंचाना मुश्किल हो गया है। एप्पल, गूगल पे, मास्टरकार्ड, वीज़ा और दूसरे वित्तीय साधनों ने रूस में अपनी सेवाएं सीमित की हैं। रूस में प्रतिबंधों के बाद आम लोगों ने इलैक्ट्रॉनिक सामानों और दवाईयों की जमाखोरी करनी शुरू की और खाने और कपड़े पर मार्च के पहले हफ्ते में अधिक खर्चा किया। एक आम रूसी ने फरवरी में किए गए कुल औसत खर्चे की तुलना में मार्च के पहले हफ्ते में 21ज्ञ अधिक खर्चा किया।रूस के वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया कि फरवरी 25 को वार्षिक ग्राहक महंगाई की दर 9.05ज्ञ थी जो 4 मार्च बढकर 10.42 हो गई। हफ्तावार महंगाई 0.45ज्ञ से 2.22 ज्ञ पर पहुंच गई जो 1998 के बाद सबसे अधिक है।

# जी-7 , नाटो भागीदारों से परे एक वैश्विक गठबंधन बनाने पर काम कर रहा है अमेरिकाःजेन साकी

-चीन, भारत, ब्राजील और मेक्सिको जैसे कुछ देश रूस के खिलाफ अमेरिका के आर्थिक युद्ध का हिस्सा नहीं

वाशिंगटन( ईएमएस )। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन जी-7 और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन ( नाटो ) भागीदारों से परे एक वैश्विक गठबंधन बनाने की दिशा में काम कर रहा है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने पत्रकारों से कहा कि चीन, भारत, ब्राजील और मेक्सिको जैसे कुछ देश रूस के खिलाफ अमेरिका के आर्थिक युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इससे रूस के खिलाफ जो बाइडन प्रशासन के प्रयास कमजोर नहीं हुए हैं।

साकी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ना केवल चीन, बल्कि भारत और ब्राजील जैसे कुछ बड़े देश और मेक्सिको तथा लातिन अमेरिका जैसे कुछ देश भी रूस के खिलाफ आर्थिक युद्ध का हिस्सा नहीं हैं। तो क्या इससे अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रयास कमजोर हो गए हैं?'' उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगी कि इससे प्रयास कमजोर नहीं हुए हैं। हम जी-7 और अपने नाटो भागीदारों से परे एक वैश्विक गठबंधन बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं और इसमें हमें काफी सफलता भी मिली है। हर देश को यह तय करना होता है ।

# भारत बन सकता है ताइवान टेक निर्माताओं के लिए पसंदीदा स्थान : रिपोर्ट

ताइपे ( ईएमएस )। ताइवान के तकनीकी निर्माताओं के लिए भारत पसंदीदा गंतव्यों में से एक बन सकता है। यह खुलासा रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि ताइवान के कुशल श्रम की विशाल आवश्यकता के चलते दोनों देशों के बीच गहन जुड़ाव हुआ है। भारत और ताइवान 21वीं सदी की शुरुआत से ही अपने संबंधों में तेजी ला रहे हैं।

रिपोर्ट ने विभिन्न क्षेत्रों में निर्माताओं के लिए भारत की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं विशेष रूप से सेमीकंडक्टर चिप निर्माण पर प्रकाश डाला गया हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अधिक ताइवानी सेमीकंडक्टर फर्मों को भारत को अपने विनिर्माण भागीदार के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। भारत की सक्रिय इनबाउंड-निवेश रणनीति ने ताइवान पर बहुत ध्यान दिया है।

हाल ही में, भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और डिस्प्ले फैब्रिकेशन ( फैब ) इकाइयों के लिए पीएलआई के रूप में 76,000 करोड़ रुपए ( 760 बिलियन रुपए ) का प्रस्ताव रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन, दो प्रमुख ताइवानी कंपनियों को 2021 में पीएलआई योजना के लिए चुना गया है, और उम्मीद है कि कई और ताइवानी कंपनियों के पास पीएलआई लाभों लेने के लिए पात्रता होगी।

# रूस यूरोपीय मानवाधिकार परिषद से हटा, औपचारिक नोटिस सौंपा

-यूरोप की परिषद के रूस की सदस्यता को निलंबित करने के बाद फैसला

कीव( ईएमएस )। रूसी विदेश मंत्रालय का कहना है कि मास्को यूरोप की परिषद से हट रहा है। मंत्रालय ने कहा कि उसने महाद्वीप के प्रमुख मानवाधिकार संगठन को छोड़ने के रूस के फैसले के बारे में औपचारिक नोटिस को यूरोप की परिषद के महासचिव मारिजा पेजसिनोविक बुरिक को सौंप दिया। इसने कहा कि यह कदम यूरोप की परिषद के रूस की सदस्यता को निलंबित करने के 25 फरवरी के फैसले के बाद उठाया गया। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यूरोप की परिषद रूस पर दबाव बनाने का एक साधन बन गई है। उसने आरोप लगाया कि यह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन ( नाटो ) और यूरोपीय संघ से काफी प्रभावित है।

# पुतिन के रुख में दिखी नरमी, यूक्रेन के आत्मसमर्पण करने की मांग छोड़ दी

कीव ( ईएमएस )। यूक्रेनी राष्ट्रपति के वरिष्ठ सहयोगी का कहना है, कि रूस ने संभावित समाधान को लेकर वार्ता में अपना रुख नरम किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के वरिष्ठ अधिकारी ( डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ) इहोर झोव्कवा ने कहा कि रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत अधिक रचनात्मक हो गई है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपना सुर बदलकर यूक्रेन से आत्मसमर्पण करने की मांग करना बंद कर दिया है। रूस वार्ता के शुरू में ( आत्मसमर्पण की ) मांग पर जोर देता रहा है। इस महीने बेलारूस में तीन दौर की वार्ता के बाद रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच वीडियो कॉल हुई। झोव्कवा ने कहा कि वार्ता के बाद यूक्रेनी प्रतिनिधियों को समाधान निकलने की कुछ उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बड़ी प्रगति करने के लिए मिलना आवश्यक होगा।

वहीं, रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें यूक्रेन में खतरे वाली स्थिति में फंसे आम लोगों की सुरक्षा तथा मानवीय सहायता और देश छोड़कर जा रहे लोगों के लिए सुरक्षित मार्ग की मांग की गई है। हालांकि इस प्रस्ताव में रूस ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मंगलवार को पेश किये गए इस प्रस्ताव में खराब होती मानवीय स्थिति और यूक्रेन के भीतर तथा बाहर लोगों की मौत पर चिंता जताई गई है। एक रूसी राजनयिक के अनुसार बुधवार को इस प्रस्ताव पर मत-विभाजन हो सकता है।

# शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1039 , निफ्टी 312 अंक ऊपर आया

मुम्बई ( ईएमएस )। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से बाजार में यह उछाला आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1039 अंकों की बढ़त के साथ ही 1.86 फीसदी ऊपर आकर 56,817 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 312 अंक तकरीबन 1.87 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,975 के स्तर पर पहुंचा। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा लाभ मे अल्ट्रासिमको , एक्सिस बैंक , इंडसइंड बैंक , एचडीएफसी, बजाजफिंसएसवी और आईएनएफवाय शामिल हैं। निफ्टी पर बैंक, फाइनेंशियल और आटो इंडेक्स 2 फीसदी के करीब मजबूत हुए हैं। आईटी और मेटल इंडेक्स में 1.8 फीसदी और 2.5 फीसदी तेजी रही है जबकि रियल्टी इंडेक्स में 3.5 फीसदी तेजी रही है। एफएमसीजी और फार्मा शेयरों में भी तेजी आई है।

इससे पहले सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। यह बढ़त समय के साथ ही बढ़ती गयी। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1047अंक की उछाल के साथ 56,824 के स्तर तक पहुंचा था। जबकि एनएसई के निफ्टी ने भी 315 अंक की जोरदार तेजी के साथ 16,978 का आंकड़ा हासिल किया। इससे पहले गत कारोबारी दिन शुरुआती बढ़त गंवाते हुए शेयर बाजार बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

बाजार में मंगलवार को जो जोरदार गिरावट आई उसके चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों की पूंजी 2.61 लाख करोड़ रुपए घट गई।

# चीन-ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ी तानातनी, अमेरिका ने भेजा सैन्य सामान

मेलबर्न ( ईएमएस )रूस-यूक्रेन जंग के बीच चीन और ऑस्ट्रेलिया में अब युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने माना है कि चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है, जो युद्ध में बदल सकता है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के साथ ऑकस डील करने वाला अमेरिका हजारों की तादाद में सैनिक, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, घातक तोपें, रॉकेट और ड्रोन विमान ऑस्ट्रेलिया भेज रहा है। ये अमेरिकी सैनिक ऑस्ट्रेलिया की सेना को इन हथियारों का इस्तेमाल करना बताएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी मरीन फोर्स के 2200 जवान आगामी सितंबर महीने से ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी इलाके में रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के डिफेंस फोर्स के मुताबिक ऐसा पहली बार हो रहा है जब अमेरिकी पैदल सेना के 250 जवान भी तैनात किए जा रहे हैं। यह अमेरिकी सैनिकों का जत्था हिंद-प्रशांत क्षेत्र के वॉशिंगटन के उस पहल का हिस्सा है, जिसके जरिए आने वाले वर्षों में ताइवान पर चीन के आक्रमण के खतरे का जवाब देने के लिए तैयारी करना है।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री पीटर डूट्टोन ने सितंबर महीने में चेतावनी दी थी कि चीन के साथ संघर्ष को कम करके नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया रूस के यूक्रेन पर हमले में व्यस्त है और चीन ताइवान पर कब्जा करने का दुस्साहस कर सकता है। अमेरिकी नौसैनिकों की इस तैनाती के अलावा दोनों देशों के एयरफोर्स के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के 1000 मरीन सैनिक पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं। ये मरीन सैनिक ऑस्ट्रेलिया की सेना को इस चीज का प्रशिक्षण देने वाले हैं, कि क्षेत्र में संकट आने पर जवाबी कार्रवाई कर सकें। इसमें मानवीय सहायता , आपदा राहत, अमेरिकी दूतावासों को मदद देना या फिर सैन्य अभियान शामिल है। ये सैनिक डॉर्विन में तैनात किए गए हैं जहां से दक्षिण पूर्वी एशियाई देश और दुनिया का सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग बिल्कुल पास है। इस वजह से अमेरिकी तैनाती बेहद अहम है। इस प्रशिक्षण में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की सेना के बीच लाइव फायर भी किया जाएगा। यह घोषणा उस समय पर हुई है जब ऑस्ट्रेलियाई मंत्री ने चेतावनी दी है, कि अगर हिंद प्रशांत क्षेत्र में तानाशाही शासन का विस्तार होता है, तब विश्वसनीय सैन्य ताकत' का इस्तेमाल किया जाएगा।

# भारतीय बाजार में फिर से लैपटॉप ले आ रही सैमसंग, 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली ( ईएमएस )। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी सैमसंग फिर से भारतीय बाजार में लैपटॉप लेकर आ रही है। कंपनी ने साल के अंत तक लैपटॉप बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा है। सैमसंग इंडिया के महाप्रबंधक और कंप्यूटिंग कारोबार के प्रमुख संदीप पोसवाल के मुताबिक उनकी कंपनी आगामी अप्रैल में ही लैपटॉप पेश करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि बाजार में लैपटॉप की मांग को देखकर कंपनी फिर से इस कारोबार में कदम रख रही है।

पोसवाल ने कहा, वर्ष 2022 के अंत तक हमारी योजना परिचालन वाले इलाकों में दहाई अंक वाली बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की है। हम अपने ग्राहकों को सभी खंडों में लैपटॉप पेश करना चाहते हैं। हम मार्च में इस लेकर आ रहे हैं।सैमसंग पहले भी लैपटॉप बाजार में सक्रिय थी, लेकिन वर्ष 2014 में कंपनी ने भारत में लैपटॉप की बिक्री बंद कर दी थी।

पोसवाल ने कहा कि नवीनतम आईडीसी आंकड़ों के मुताबिक, लैपटॉप बाजार महामारी काल में करीब 1.8 गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि लैपटॉप की बढ़ती मांग को देखकर कंपनी फिर से इसमें कदम रख रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि सैमसंग के फिर से भारतीय लैपटॉप बाजार में प्रवेश करने से इसके दाम घट सकते हैं।

# सरकार की क्रिप्टोकरेंसी शुरू करने की कोई योजना नहीं

मुंबई ( ईएमएस )। सरकार ने स्पष्ट किया कि आरबीआई द्वारा विनियमित क्रिप्टोकरेंसी शुरू करने की कोई योजना नहीं है। राज्यसभा में क्रिप्टोकरेंसी पर पूछे एक सवाल के लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सरकार की राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में क्रिप्टोकरेंसी पूरी तरह से अनियमित है और आरबीआई किसी भी तरह की कोई क्रिप्टोकरेंसी जारी नहीं करता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कागजी मुद्रा आरबीआई अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक कानूनी निविदा है। पारंपरिक कागजी मुद्रा के एक डिजिटल संस्करण को सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी ( सीबीडीसी ) कहा जाता है। वर्तमान में क्रिप्टोकरेंसी पर एक बिल लंबित है और इस पर बीते एक साल से अधिक समय से काम चल रहा है। हालांकि, ये बिल न कुछ कारणों के चलते मानसून सत्र और चालू बजट सत्र में पेश नहीं किया जा सका।

# त्रिपुरा सरकार अनुपयोगी चाय बागान सहकारी समितियों को सौंपेगी

अगरतला ( ईएमएस )। त्रिपुरा सरकार ने उपयोग में नहीं लाए जा रहे चाय बागानों को नई सहकारी समितियों को सौंपने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य से छह चाय बागानों की पहचान कर ली गई है। त्रिपुरा चाय विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन संतोष साहा ने कहा कि इन बागानों को उनके मालिकों ने घाटा होने के कारण छोड़ दिया या वर्तमान सहकारी समितियों को इन्हें चलाने में मुश्किल आ रही है। सरकार ने ऐसे सभी बागानों को कब्जे में लेने और इन्हें चलाने के लिए इनका प्रबंधन नई सहकारी समितियों को सौंपने का निर्णय लिया है। यदि इस कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन हो जाता है तो इन बागानों से जुड़े करीब 1,800 कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चाय उद्योग के संपूर्ण विकास के लिए व्यापक योजना मुख्यमंत्री चा कल्याण प्रकल्प की घोषणा की है। त्रिपुरा में 52 चाय बागान हैं जहां से सालाना 90 लाख किलो चाय का उत्पादन होता है।

# 9/11 हमले के मास्टरमाइंड की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता

न्यूयॉर्क ( ईएमएस )। अमेरिकी अभियोजकों ने पाकिस्तानी आतंकवादी और 9/11 हमले के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद और ग्वांतानामो बे हिरासत शिविर में बंद चार अन्य लोगों के साथ समझौते पर बातचीत शुरू कर दी है। समझौते के परिणामस्वरूप इन कैदियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। खबर में कहा गया है कि ऐसा होने से मृत्युदंड की वकालत कर रहे पीड़ितों के परिवारों को निराशा होगी। न्यूयॉर्क में 11 सितंबर, 2001 को आतंकवादी हमले में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ( डब्ल्यूटीसी ) के दो टॉवर को निशाना बनाया गया था। हमले में कई भारतीयों सहित लगभग 3,000 लोगों की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जल्द किसी समझौते की उम्मीद नहीं है, लेकिन दोषी की दलीलों से सजा के आजीवन कारावास में बदलने से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन को 'ग्वांतानामो बे' में हिरासत अभियान को समाप्त करने की अपनी योजना को बदलना पड़ सकता है और इसके बजाय इसे कुछ लोगों के लिए एक सैन्य जेल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

58 वर्षीय शेख और चार अन्य सह-प्रतिवादियों के लिए ''अभियोजकों ने वकीलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है ताकि ''एक संभावित समझौते पर बातचीत की जा सके जो मृत्युदंड की संभावना को खत्म कर देगा।'' अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में वर्षों से चल रहे मामले को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। मामला शुरू होने के लगभग एक दशक बाद, सैन्य न्यायाधीश ने मुकदमा आरंभ करने की तारीख निर्धारित नहीं की है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान, इस तरह की बातचीत का प्रयास असफल रहा था और आरोपी साजिशकर्ताओं ने मांग की थी कि वे ग्वांतानामो में अपनी सजा काटना चाहते हैं, जहां वे प्रार्थना और समूहों में भोजन कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी कोलोराडो की सुपरमैक्स जेल नहीं जाना चाहते हैं, जहां कैदियों को दिन के 23 घंटे तक एकांतवास में रखा जाता है। मामले में प्रमुख अभियोजक क्लेटन ट्रिवेट ने रक्षा टीम को लिखा कि वे चर्चा करें कि ''क्या सभी पांच मामलों के लिए सुनवाई पूर्व समझौता संभव है।''

रिपोर्ट में बताया गया है, कि मामले में एक मुख्य मुद्दा यह है कि शेख के अलावा कितने अभियुक्त पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास की सजा काटेंगे और क्या हमलों में कम भूमिकाओं वाले कुछ अभियुक्तों को छोटी सजा मिलेगी। दो अभियुक्तों सऊदी के कैदी मुस्तफा अल-हौसावी और पाकिस्तानी नागरिक एवं शेख के भतीजे अम्मार अल-बलूची के वकीलों ने अपने मुवक्किलों को 9/11 की साजिश से अनभिज्ञ बताया है। अभियुक्तों ने कुछ अपहर्ताओं को धन हस्तांतरण और संयुक्त अरब अमीरात से यात्रा व्यवस्था में मदद की थी।

# उत्तर कोरिया की मिसाइल का हवा में विस्फोट, संशय प्रशिक्षण सफल हुआ या फिर असफल

सियोल ( ईएमएस )। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने राजधानी क्षेत्र से एक मिसाइल प्रक्षेपित की, जिसमें हवा में विस्फोट हो गया। उ.कोरिया द्वारा यह प्रक्षेपण उस समय में किया गया है, जब उसके द्वारा सबसे लंबी दूरी की मिसाइल प्रक्षेपित करने की अटकलें तेज हैं। इस साल उत्तर कोरिया द्वारा किया गया यह 10वां प्रक्षेपण है, जिससे स्पष्ट हैं, कि उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार को आधुनिक बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है और ठप पड़ी परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के बीच अपने प्रतिद्वंद्वियों पर रियायतें देने के लिए इसके जरिए दबाव डालना चाहता है।

मिसाइल में विस्फोट होने से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिली है। दक्षिण कोरियाई सेना के अधिकारी ने बताया कि उड़ान भरते समय लगभग 20 किलोमीटर ( 12.4 मील ) की ऊंचाई पर उत्तर कोरियाई मिसाइल में विस्फोट हो गया। विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चल सका है। इससे पहले, दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया था कि प्योंगयांग क्षेत्र से सुबह करीब साढ़े नौ बजे किया गया प्रक्षेपण विफल रहा। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी प्रक्षेपण के विवरण का विश्लेषण कर रहे हैं। अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान ने बाद में बताया कि उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है, लेकिन इसकी जानकारी नहीं दी कि यह एक असफल प्रक्षेपण था या नहीं।

कमान ने कहा कि प्रक्षेपण अमेरिकी क्षेत्र और उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा उत्पन्न नहीं करता। साथ ही उसने उत्तर कोरिया से अस्थिर करने वाले कृत्यों से दूर रहने का आह्वान किया। जापान मंत्रिमंडल के मुख्य सचिव हिरोकाज़ु मात्सुनो ने पत्रकारों से कहा कि बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की पुष्टि नहीं हुई है और जापान, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर हुआ क्या था। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछली विफलताओं के बावजूद उत्तर कोरिया व्यवहार्य परमाणु शस्त्रागार प्राप्त करने के अपने लक्ष्य के करीब बढ़ रहा है, जो अमेरिकी सरजमीं के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है।

# सरकार जीएसटी ई-इनवॉइस पर जल्द लेगी बड़ा फैसला

- छोटे और खुदरा दुकानदारों-व्यापारियों को ?मिलेगी राहत

नई दिल्ली ( ईएमएस )। देशभर के करोड़ों छोटे और खुदरा दुकानदारों-व्यापारियों को सरकार जल्द बड़ी राहत दे सकती है। जानकारी के मुता??बिक सरकार सभी के लिए जीएसटी ई-इनवॉइस जरूरी बनाने से छूट दे सकती है। एक अधिकारी का कहना है कि सरकार की मंशा बिजनेस टू बिजनेस होने वाले सभी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइस लागू करना था। फिलहाल इसे छोड़ने पर विचार किया जा रहा है। सरकार को सुझाव दिया गया है कि ई-इनवॉइस को सभी के लिए लागू करने से पहले इससे होने वाले नफा-नुकसान का आकलन कर लेना चाहिए। अभी जीएसटी पोर्टल पर पंजीकृत सालाना 50 करोड़ तक टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए ई-इनवॉइस जेनरेट करना जरूरी है। 1 अप्रैल से इस सीमा को बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया जाएगा। यानी अब 20 करोड़ तक सालाना टर्नओवर वाले कारोबारियों को बी2बी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइस जेनरेट करना जरूरी होगा।

ई-इनवॉइस की न्यूनतम सीमा 20 करोड़ से घटाकर इसे सभी छोटे-मोटे कारोबारियों पर लागू करने को लेकर विशेषज्ञों ने वित्त मंत्रालय से सवाल पूछा है। उनका कहना है कि छोटे कारोबारियों की संख्या तो अधिक है, लेकिन टैक्स देनदारी के लिहाज से यह काफी कम है। सरकार अगर दुकानदारों पर बेवजह के कम्प्लायंस का बोझ लादेगी तो इससे अर्थव्यवस्था और कारोबार में रुकावट पैदा हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से ई-इनवॉइस की मिनिमम सीमा 20 करोड़ तक तय किया जाना पूरी तरह तर्कसंगत है, लेकिन इससे नीचे जाकर सभी छोटे-मोटे ट्रांजेक्शन को इसके दायरे में लाना सही नहीं है। अंतिम खुदरा उपभोक्ता अपनी किसी भी तरह की खरीद या बिक्री पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का क्लेम नहीं कर सकता है। लिहाजा उसके लिए ई-इनवॉइस नियम का पालन करना भी जरूरी नहीं होना चाहिए।

# देश में मोबाइल ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता 76.5 करोड़ पहुंचे

नई दिल्ली ( ईएमएस )। देश में मोबाइल ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ताओं की संख्या पिछले पांच साल में दोगुना से अधिक होकर 76.5 करोड़ पर पहुंच गई। नोकिया की तरफ से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में 4जी डेटा ट्रैफिक 6.5 गुना बढ़ गया। नोकिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और भारत प्रमुख संजय मलिक ने वार्षिक नोकिया एमबीआईटी रिपोर्ट का विवरण साझा करते कहा कि देश की कुल डेटा खपत में 4जी इंटरनेट सेवाओं का हिस्सा 99 प्रतिशत है। 5जी इंटरनेट के कुछ समय बाद आने पर इसमें अगले कुछ वर्षों तक वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2017 से 2021 तक मोबाइल डेटा उपयोग की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर ( सीएजीआर ) बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई। इस दौरान उपयोगकर्ताओं द्वारा हर महीने इस्तेमाल किया जाने वाला औसत डेटा तीन गुना बढ़कर 17 जीबी प्रति माह हो गया है। पिछले पांच सालों में मोबाइल ब्रॉडबैंड उपय

# पीएम मोदी के प्रोत्साहन व मार्गदर्शन से बढ़ी रक्षा क्षेत्र एवं सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारीः मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल ने सीमा भवानी शौर्य अभियान 'सशक्तिकरण सवारी-2022' को झंडी दिखाकर गांधीनगर से रवाना किया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को गांधीनगर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जांबाज महिला कर्मियों के सीमा भवानी शौर्य अभियान 'सशक्तिकरण सवारी-2022' को झंडी दिखाकर बीएसएफ गुजरात के मुख्यालय से रवाना किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को नई दिल्ली के इंडिया गेट से डेयर डेविल बाइकर्स टीम की इन 35 महिला सदस्यों ने अपना साहसिक सफर शुरू किया है। दिल्ली से विभिन्न राज्यों से होकर 5280 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह बाइकर्स टीम 30 मार्च को तमिलनाडु के कन्याकुमारी शहर पहुंचेंगी। बीएसएफ की इस महिला बाइकर्स टीम के बीएसएफ के गुजरात मुख्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उन्हें सफलता की शुभकामनाएं देते हुए अगले प्रयाण के लिए झंडी दिखाकर रवाना किया। भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से इस वर्ष मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर देश की एकता और अखंडता में नया जोश भरने वालीं इन महिला बाइकर्स को नारी शक्ति और सामर्थ्य का अनोखा प्रतीक करार दिया। मुख्यमंत्री ने देश में रक्षा क्षेत्र तथा सुरक्षा बलों में महिला शक्ति की बढ़ती भागीदारी की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्ष में देश के पुलिस बल एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है। वर्ष 2014 में 1 लाख 5 हजार से बढ़कर वर्ष 2020 में महिलाओं की संख्या 2 लाख 15 हजार तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूलों में बेटियों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया है और अब देशभर के सैनिक स्कूलों में बेटियां प्रवेश ले रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का संकल्प किया है, तब आत्मनिर्भरता की यह मुहिम देश की महिला शक्ति की सहभागिता से ही सफल होगी। पटेल ने महिषासुर मर्दिनी दुर्गा और रानी लक्ष्मीबाई का उल्लेख करते हुए कहा कि सृष्टि की जननी नारी आवश्यकता पड़ने पर शस्त्र उठाकर शत्रुओं का नाश भी कर सकती है। मुख्यमंत्री ने सीमा भवानी दल को बधाई देते हुए कहा कि सरहद के संतरी के तौर पर कर्तव्यरत सीमा सुरक्षा बल की ये महिला बाइकर्स 350 सीसी रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल सवार के रूप में अपने अप्रतिम साहस और शौर्य के लिए जानी जाती हैं। इस अवसर पर राज्य पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया, बीएसएफ के महानिरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह मलिक तथा बीएसएफ के अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

## भाजपा शासित बोटाद नगर पालिका में 22 पार्षदों के एक साथ इस्तीफे से मचा हड़कंप

बोटाद (ईएमएस) भाजपा शासित बोटाद नगर पालिका में एक साथ 22 पार्षदों के इस्तीफे से पार्टी में हड़कम्प मच गया है बोटाद नगर पालिका की विभिन्न समिति और प्रमुखों ने नगर पालिका इंचार्ज चीफ ऑफीसर को अपना लिखित इस्तीफा दिया है बोटाद नगर पालिका में भाजपा सत्तारूढ़ है और उसके सदस्यों ने इस्तीफा देकर अपनी पार्टी को कटघरे में खड़ा कर दिया है समाज कल्याण समिति के प्रमुख, गटर समिति के प्रमुख, सत्तापक्ष के नेता और दंडक समेत विभिन्न समितियों के 22 सदस्यों ने लिखित में इस्तीफा दिया है नगर पालिका प्रमुख, कारोबारी प्रमुख और उप प्रमुख पर मनमानी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए 22 पार्षदों न इस्तीफा दिया है इस्तीफा देनेवाले सदस्यों ने प्रमुख, उप प्रमुख और कारोबारी प्रमुख से इस्तीफा देने की मांग की है

# तिरंगा यात्रा को मंजूरी नहीं मिलने से 'आप' पार्षद ने सिर मुंडवा कर विरोध किया

सूरत (ईएमएस) पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को मिली शानदार जीत को लेकर गुजरात में आप कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं इसके तहत गुजरात के अलग अलग शहरों में आप के नेता और कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था हांलाकि सूरत में तिरंगा यात्रा की मंजूरी नहीं मिलने से आप के नगर पार्षद में सिर मुंडवा कर प्रशासन के फैसले का विरोध किया दरअसल पंजाब में ऐतिहासिक जीत से गद गद आप इसका लाभ गुजरात में लेना चाहती है, जहां इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं जामनगर में हुई तिरंगा यात्रा में गुजरात आप के नेता ईशुदान गढवी और दिल्ली के विधायक गुलाबसिंह शामिल हुए थे आप द्वारा गुजरात के अलग अलग शहरों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था सूरत के लिंबायत क्षेत्र में भी गत सोमवार को तिरंगा यात्रा निकलनी थी, लेकिन आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता यात्रा शुरू करें उससे पहले पुलिस ने ट्रैफिक का मुद्दा आगे धर यात्रा की मंजूरी रद्द कर दी साथ ही आप के कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय से हिरासत में ले लिया तिरंगा यात्रा रद्द के बाद आज सूरत शहर के वार्ड संख्या 2 के आम आदमी पार्टी के नगर पार्षद राजेश मोरडिया ने सिर मुंडवा कर प्रशासन के फैसला का विरोध किया साथ ही आरोप लगाया कि तिरंगा यात्रा राजकीय इशारे पर रद्द की गई हैं उन्होंने कहा कि गुजरात में आप का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे सत्तारूढ़ दल की चिंता बढ गई हैं इसी कारण ट्रैफिक को मुद्दा बनाकर आप की तिरंगा यात्रा की मंजूरी को अंतिम समय रद्द कर दिया गया और पार्टी कार्यकर्ताओं को अकारण हिरासत में लिया गया राजेश मोरडिया ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सत्तापक्ष द्वारा विपक्ष का आवाज दबाने का बार बार प्रयास किया जाता हैं

## राज्य में कोरोना के 25 मरीज, दोगुने से अधिक हुए ठीक, रिकवरी रेट 99.07 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस) बुधवार को गुजरात में कोरोना के 25 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं दोगुने से अधिक लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए राज्य में रिकवरी रेट 99.07 प्रतिशत पर पहुंच गया है राज्य में फिलहाल कोरोना के 443 सक्रिय मरीजों में 438 स्टेबल हैं और 5 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं राज्य में अब तक 1212304 कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10939 मरीजों की मौत हो चुकी है स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 12, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 4, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2, आणंद में 1, बनासकांठा ने 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, गांधीनगर में 1, महेसाणा में 1, नवसारी में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 25 नए केस दर्ज हुए हैं जबकि अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी और वलसाड समेत 27 जिले और जामनगर, जूनागढ़, राजकोट और सूरत समेत 4 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी मामला पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया वहीं तीन कॉर्पोरेशन और 21 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं दूसरी ओर राज्य में टीकाकरण अभियान के तहत आज 277920 लोगों को वैक्सीनेट किया गया 18 वर्ष से अधिक आयु के 4883 को पहला और 25432 को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 1492 किशोरों को पहली और 21139 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई जबकि 9766 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया वहीं आज से राज्य में 12 से 15 वर्षीय किशोरों के लिए शुरू किए गए वैक्सीनेशन के अंतर्गत 215208 किशोरों का कोरोना का डोज दिया गया

### भाजपा संसदीय समिति की बैठक में मोदी की स्पष्टता

# चुनाव में भाजपा के नेताओं के परिजनों को टिकट नहीं मिलेगा

**गत वर्ष में आयोजित हुए चुनाव में उम्मीदवारों के चयन के समय कई चालू कॉर्पोरेटरों, सदस्यों के पत्ते कट गये थे**

गांधीनगर, १६ मार्च।

भाजपा की राष्ट्रीय संसदीय समिति की बैठक में पीएम मोदी ने दो मामले के मामले में अपने रवैये को स्पष्ट किया है। पीएम ने चुनावों में सांसदों के बेटे-बेटी या परिजनों को टिकट नहीं मिलेगा इस मामले में अपना स्पष्ट मत व्यक्त करके राजनीति से परिवारवाद को खत्म करने की लड़ाई अंत तक लड़ने की घोषणा की थी। अब गुजरात में १० महीने के बाद आयोजित हो रही विधानसभा के चुनाव में भाजपा परिजनों को टिकट नहीं देगा ऐसी संभावना है। ऐसे तो भाजपा प्रमुख सीआर पाटिल स्थानीय स्वराज्य के गत वर्ष में आयोजित हुए चुनावों में उम्मीदवारों के चयन के समय तीन नियम जारी करके कई चालू कॉर्पोरेटरों, सदस्यों के पत्ते काट दिया था। इस बार विधानसभा के उम्मीदवारों के चयन पहले खुद प्रधानमंत्री मोदी ने नयेसिरे से परिजनों को टिकट नहीं देने के संकेत को और स्पष्ट करते हुए अहमदाबाद सहित राज्य के १०-१५ सीटों पर अपने को टिकट नहीं मिला तो अपने परिवार के सदस्यों को टिकट के लिए लोबिंग करने का मनसूबा बना रहे नेताओं की मन की मन में रह जाए ऐसी स्थिति पैदा हुई है। पीएम मोदी ने संसदीय दल की बैठक में बताया है कि, अभी से प्रत्येक प्रतिनिधि ने अपने क्षेत्र की सीटों में १००-१०० बूछ ढूढकर सूची तैयार करते है और इसके कारण की जांच करे क्यों हार गये। यह कारण को ढूंढकर दुरस्त करने के प्रयास अभी से ही करना चाहिए।

पीएम मोदी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित के विपक्षी पार्टियों के नाम का उल्लेख किए बिना निशाना साधते हुए कहा कि, आज देश का सबसे बड़ा शत्रु परिवारवाद की राजनीति है। जिसकी वजह से जातिवादी राजनीति को बल मिलता है और इसके लिए परिवारवाद की राजनीति जिम्मेदार है। पीएम ने आगे बताया है कि, हमारी पार्टी में कितने सांसदों के संतानों को टिकट नहीं दिया गया है।

## यूक्रेन में फसे एम.बी.बी.एस की पढ़ाई कर रहे दानिलिमडा में रहने वाले दलित युवक ऑपरेशन गंगा के तहत विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन के सहयोग से घर वापसी

अहमदाबाद के दानिलिमडा इलाके में रहने वाले दोनों युवक मयंक मकवाना और धीरेन मकवाना यूक्रेन में मेडिसिन की पढ़ाई कर रहे थे.

सांप्रत समय मे दोनो यूक्रेन में फंसे थे।उनका परिवार काफी चिंतित था। उसी समय भाजपा की डिबेट टीम के सदस्य एवम लेखक डॉ.अमित ज्योतिकर के संपर्क में आए। उन्होंने मयंक मकवाना के घर जाकर परिवार को हिम्मत दी। सिर्फ शब्दों से नहीं परंतु परिवार जन की मौजूदगी में विदेश राज्य मंत्री भी मुरलीधरन को टेलीफोन के माध्यम से पूरी जानकारी दी एवं विदेश राज्य मंत्रीकी सूचना के अनुसार दोनों विद्यार्थी की पूरी डिटेल व्हाट्सएप के माध्यम से उन को भेजी गई और महज 48 घंटे में दोनों युवक घर लौट आए।

इस संबंध में डॉ. अमित ज्योतिकर ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी के सफल नेतृत्व और विश्व नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं इसके के फलस्वरूप यूक्रेन में फंसे प्रत्येक नागरिक को भारत वापस लाने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसमें कोई शक नहीं कि ऑपरेशन गंगा के तहत सभी भारतीय जो यूक्रेन में फंसे है वह कुशल मंगल भारत आ रहा है। मैंने तो सिर्फ सही दिशा में भाजपा का कार्यक्रम होने के नाते एक प्रयत्न किया परिवार एवं केंद्र सरकार के बीच कड़ी का काम किया मैंने विदेश राज्य मंत्री श्री वी.मुरलीधरण की उचित सहायता से केवल 48 घंटों में दो युवकों को उनके रिश्तेदारों के पास लौटे मेरे एक छोटा सा प्रयास के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के साथ-साथ विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन को भी धन्यवाद देता हूं। श्री मुरलीधर। कोरोना की पहली लहर में वंदे भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार और विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन द्वारा भी इसी तरह की सहायता प्रदान की गई थी।

छात्र मयंक मकवाना ने कहा कि वह भारत में वापस आकर बहुत खुश हैं। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी, विदेश राज्य मंत्री मुरलीधर, गुजरात सरकार और डॉ अमित ज्योतिकर के बहुत आभारी हू।

छात्र के परिवारजनने तहे दिल से केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ-साथ डॉ. अमित ज्योतिकर दिशा में प्रयास करने के लिए हम अमित ज्योतिकर के ऋणी हैं ताकि हमारे बच्चे हम तक पहुंच सकें।

अन्य छात्रों ने भी प्रभु से जल्द से जल्द घर लौटने की प्रार्थना की।

### एक वर्ष पहले खोली थी आईटी कंपनी

# लालच देकर रिक्शा ड्राइवर और पत्नी ने की ३६० करोड़ की धोखाधड़ी

**पहले इसी कपल के खिलाफ बेंगलुरु पुलिस ने इसी तरीके से १२० करोड़ की धोखाधड़ी किए जाने का अपराध दर्ज किया था**

अहमदाबाद, १६ मार्च।

सूरत की एक आईटी कंपनी के प्रमोटर्स के तौर पर पहचान बताने वाले एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर और इसकी पत्नी के खिलाफ ३६० करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का अपराध दर्ज किया गया है। कपल ने कथित रूप से निवेशकों को दोगुना मुआवजा देने की लालच दी थी। विजय वणजारा और इसकी पत्नी ममता, जो सूरत के मगदल्ला क्षेत्र में रहते है, उनके सामने इस तरीके से कई लोगों के साथ कुल १२० करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का केस २०२१ में बेंगलुरु पुलिस ने दर्ज किया था। मंगलवार को नारणपुरा पुलिस के समक्ष दर्ज की गई शिकायत में, आरओसी (रजिस्ट्रार ऑफ कंपनी) के अनु विवेक ने बताया था कि, डिरेक्टर जनरल ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ने, आरोपी जिसने २६ मार्च, २०२१ को ३६० टेक सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी की स्थापना की थी, वह ३६० करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शामिल होने की जानकारी आरओसी को दी थी। इस अपराधों में, ५०० रुपये से छोटी रकम से शुरू होने पर निवेश के सामने अच्छे मुआवजे का वादा किया गया था। आरोपियों ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्लेटफॉर्म के तौर पर पावर बैंक मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करते थे। विजय ने सूरत के ट्रावेल एजेंट जय पारेख के साथ मिलकर कंपनी की स्थापना की थी और ऋड्डपूह्श्चड्डत द्वारा पेमेंट लिया था। पेमेंट ऑनलाइन गेमिंग के लिए होने का एग्रीगेटर्स को कहा गया था, यह शिकायत में बताया गया। विजय को पहलीबार मार्च, २०२१ में बेंगलुरु पुलिस ने इसके बेंकिंग ट्रांजेक्शन से पहली बार ट्रेस किया था। नारणपुरा पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें बताया गया है कि, विजय की कंपनी के पास कंपनी की स्थापना के प्रमाणपत्र के अलावा अन्य कोई दस्तावेज नहीं था। यह कहा गया था कि कंपनी ने सिर्फ १० हजार रुपये की पूंजी भुगतान की थी।

नारणपुरा पुलिस ने कपल यानी कि विजय वणजारा और पत्नी ममता के खिलाफ इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया था। इसके अलावा आईपीसी के तहत धोखाधड़ी और उकसाने की भी शिकायत दर्ज की थी।

### डीजिटल युग में भी गलतियां का सिलसिला जारी

# बैंक ने गलती से ट्रांसफर किए ८५ लाख महिला ने खर्च कर दिया

**बैंक को वापस देने की बात की गई थी लेकिन सिर्फ २० लाख देने के बाद पैसा नहीं देने पर पुलिस शिकायत**

भुज, १६ मार्च।

पहले के समय में बैंक के व्यवहार मालूम करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था, इसके बदले आधुनिक समय में सिर्फ ऊंगली घूमाने पर बैलेंस सहित की जानकारी मिल जाती है, फिर भी कच्छ की एक बैंक द्वारा बड़ी गलती होने के बाद भी इसका ध्यान नहीं होने पर पुलिस की मदद लेने का समय आ गया है। बैंक द्वारा हुई गलती की वजह से महिला के खाते में लाखों रुपया, ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके बाद महिला ने रुपया खर्च कर देने से वापस देने से इनकार कर दिया है। भुज के अंजार तहसील के वरसामेडी में हुई घटना में बरोडा गुजरात ग्रामीण बैंक ने गलपादनारा कुंकुबहन राजी डांगर के खाते में ८५ लाख ट्रांसफर कर दिया था। मैनेजर मोहम्मद आरीफ अब्दुल करीम डगारा ने इस मामले में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार एचआर लोजिस्टीक के प्रोपराइटर कंकुबहन डांगर का यह बैंक में खाता है। जिनके खाते में खुशाल खटारिया ने ३१मई २०२१ में गांधीधाम राजकोट नागरिक सहकारी बैंक में चेक जमा कराया था। इस समय में खाते में ८५ लाख रुपया नहीं होने से चेक वापस आया था। दूसरी तरफ कम्प्युटर की गड़बड़ी की वजह से महिला के खाते में ८५ लाख रुपया जमा हो गया था। अपने खाते में जमा हुए लाखों रुपया महिला ने अलग-अलग तारीख पर निकाल लिया था। बैंक की गलती हुई होने का मालूम होने पर मैनेजर द्वारा महिला और उनके पति का संपर्क किया गया था। इस समय में अपने खाते में आया रुपया खर्च हो जाने का कहकर बैंक को वापस देने की बात की गई थी। रुपया बाद में देने का वादा करने के बाद लिखित में इसका करार भी किया गया था। अपने खाते में गलती से आये ८६ लाख में से महिला ने २० लाख रुपया सलेमामद फकीर के खाते में जमा कराया था। बैंक द्वारा बारबार संपर्क करने पर भी यह तीन लोगों द्वारा रुपया वापस नहीं दिया जाता था जिसकी वजह से मैनेजर ने कंकुबहन रामजी डांगर सहित खुशाल रवा खाटरिया और सालेमाद ओसमाण फकीरा के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई है।

## राज्य के किसानों को सिंचाई के लिए 31 मार्च तक मिलेगा पानी, सरकार ने किया ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने राज्य के किसानों को सिंचाई के पानी के लिए बड़ी घोषणा की है कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने ऐलान किया है कि राज्य के किसानों को सिंचाई के लिए 31 मार्च तक पानी उपलब्ध कराया जाएगा उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात में शीत और ग्रीष्म फसलों की सिंचाई के लिए बिजली जरूरत बढ़ी है बिजली आपूर्ति नियमित उपलब्ध हो और किसी के साथ अन्याय न हो इसके लिए ऊर्जा मंत्री कनु देसाई ने बैठक की जिसमें ब्रिजेश मेरजा और कांग्रेस विधायक उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि किसानों को 8 घंटे पूरे वॉल्टेज के साथ बिजली उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था की जाएगी अगर समस्या आती है तो कम से कम 6 बिजली आपूर्ति की जाएगी किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए सरकार ने 31 मार्च तक पानी मुहैया कराने का फैसला किया है

# ५००० से ज्यादा अध्यापकों को ६ महीने से वेतन नहीं मिला

अहमदाबाद, १६ मार्च।

रंगों का त्यौहार होली धुलेटी लोगों के जीवन में खुशी का रंग लाती है लेकिन राज्य के ५ हजार से ज्यादा प्रोफेसरों के लिए होली का त्यौहार फीका बन गया है। फरवरी महीने का वेतन भी अभी तक नहीं करने पर प्रोफेसरों में नाराजगी फैल गई है। पिछले ६ महीने से अनियमित वेतन से प्रोफेसर नाराज हुए है और सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया में आंदोलन शुरू किया गया है। राज्य की ३५६ ग्रांटइन कॉलेज के ५००० से ज्यादा प्रोफेसरों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन कर दिया है और सोशल मीडिया में आंदोलन शुरू किया है। पिछले ६ महीने से वेतन नियमित रूप से भुगतान किया जाता वेतन अनियमित होने की वजह से बैंक के हप्ता तथा आर्थिक व्यवहार ठप हो रहा है। प्रोफेसर मंडल के प्रमुख राजेन्द्र जादव बताते है कि, कोई भी सरकारी कर्मचारी का आर्थिक व्यवहार इसके वेतन पर निर्भर होता है। अब जबकि वेतन अनियमित होने लगे तब इसका आर्थिक व्यवहार ठप होने लगता है। मकान की लोन का हप्ता, किसी वाहन के लोन का हप्ता हो यदि वेतन रेग्युलर नहीं हुआ तो इसके बैंक का हप्ता डामाडोल हो जाता है और क्रेडिट डाउन होता है। उन्होंने आगे बताया है कि, यह प्रोफेसरों का पिछले ५ से ६ महीने से ऐसा हो रहा है। फिलहाल मार्च महीना आधा बीत गया फिर भी फरवरी का वेतन नहीं आया यानी कि प्रोफेसर मंडल के ट्विटर हैंडल ने अभियान चलाया है। सरकार को यह बताने का प्रयास है। जिसकी वजह से जल्दी से प्रोफेसरों का वेतन नियमित हो। ३५६ ग्रांटेड कॉलेज के प्रोफेसरो की शिकायत बारबार प्रोफेसर मंडल को मिली थी। जिसकी पेशकश आखिर में राज्य के शिक्षा विभाग से की गई है। महत्वपूर्ण है कि, यह पहली बार की बात नहीं है कि प्रोफेसरों को वेतन मामले में मुश्किल हुई हो पहले भी किसी न किसी तरह से प्रोफेसरों के वेतन पर कटौती करने की घटना हो चुकी है सातवां वेतन आयोग के लागू करने के मामले में प्रोफेसरों को वंचित रखा गया था।

## बोलीवुड के सिंगर हिमेश रेशमिया ने गुजरात के विख्यात साळंगपुर हनुमान जी के दर्शन किए

बोटाद (ईएमएस) बोलीवुड के विख्यात सिंगर और सोंग्स कंपोजर हिमेश रेशमिया ने आज सपरिवार बोटाद जिले के साळंगपुर स्थित हनुमान जी के दर्शन किए हनुमान जी के दर्शन करने के बाद हिमेश रेशमिया ने कहा कि मुझे यहां आने का अवसर मिला जो मेरे लिए अद्भुत है साळंगपुर हनुमान जी दादा के दर्शन कर एक अलग प्रकार की वाइब्रेंट अनुभूति व्यक्त कर रहा हूँ हनुमान जी के दर्शन कर बरकत हो और बेहतर स्वास्थ्य देने की प्रार्थना की है आज देश में कोरोना के मामले लगातार घट रहे हैं यह कहना भी गलत नहीं होगा कि देश में करीब करीब कोरोना खत्म हो गया है ऐसे में हमारा देश आगे बढ़े यही हनुमान दादा से प्रार्थना है

### २० वर्ष के बाद मार्च में अहमदाबाद में लू का अनुभव

# राज्य में अभी कई दिन भीषण गर्मी का अनुभव होगा

अहमदाबाद, १६ मार्च।

इस वर्ष राज्य में पड़ रही गर्मी सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। २० वर्ष के बाद अहमदाबाद में मार्च महीने में लू का अनुभव हो रहा है।

मंगलवार को उत्तर से उत्तर-पश्चिम के शुष्क हवाएं के प्रभाव से अहमदाबाद सहित राज्य के १० शहरों में गर्मी का तापमान ४० डिग्री पार कर गया। अहमदाबाद में २० वर्ष में पहली बार १५ मार्च तक में ४१.५ डिग्री रिकॉर्डतोड़ गर्मी दर्ज की गई है। सुरेन्द्रनगर में राज्य में सबसे ज्यादा ४१.७ डिग्री तापमान दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर अहमदाबाद रहा। गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में ५ वर्ष में चौथी बार मार्च में हीटवेव दर्ज किया गया है। १८ मार्च तक राज्य के अधिकतर शहरों में हीटवेव का जोर जारी रहेगा यह मौसम विशेषज्ञ का कहना है। अहमदाबाद में अधिकतर २५ मार्च के बाद गर्मी का तापमान ४१ डिग्री के करीब होता है, लेकिन इसके बदले १५ मार्च तक में रिकॉर्डतोड़ ४१.५ डिग्री गर्मी दर्ज की गई हो ऐसा २० वर्ष में पहली बार हुआ है। राज्यभर में होली-धुलेटी पहले ही गर्मी का तापमान ४० डिग्री को पार कर चुका है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में हिटवेव का असर देखने को मिल रहा है। सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात और कच्छ सहित के क्षेत्रों में हिटवेव का असर महसूस किया जा रहा है। उत्तर गुजरात और कच्छ में ऑरेंज अलर्ट दिया गया है, इसके अलावा अहमदाबाद में भी हिटवेव का असर हो रहा है।

भीषण गर्मी की इस स्थिति में क्या सावधानी रखनी चाहिए इस मामले में डॉ. प्रवीण गर्ग ने बताया है कि विशेष तो लोग कोरोना से इफेक्टेड हुए हैं, ऐसे कई लोग कोरोना से ठीक होने के बाद अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए ऐसा समझना। कोरोना के बाद कई लोग अभी भी कमजोरी अनुभव कर रहे हैं कई लोगों में फेफड़े को लेकर कई समस्या अभी भी जारी है। कोविड से यदि ठीक हुए है और जिनको अन्य बीमारी है, ऐसे सभी लोगों को हिटवेव से बचना जरूरी है।

## स्नैपचैट पर होली के स्पे शल थीम वाले एआर लेंसेस, गुलाल बिटमोजी, होली के लिये तैयार प्लेचलिस्ट्स , होली थीम्डे कंटेन्टु आदि के साथ रंगीन होली का मजा लीजिये!

मुंबई, 16 मार्च, 2022: होली कुछ ही दिन दूर है और त्यौजहार से पहले का रोमांच तेजी पर है। इस साल स्नैईपचैट भी इसका मजा बढ़ाने के लिये तैयार है।

भारतीय स्नै6पचैटर्स के लिये ऐप के अनुभव को स्थौनीय बनाने के चलते होली पर भारत की 500 अलग-अलग जगहों और 32 शहरों से फोटोज में खास जगह पर आधारित फिल्टरर्स (जियोफिल्टार्स) जोड़े जा सकते हैं। होली के स्टिकर्स और बिटमोजीस होली के जादू को बढ़ाने में निश्चित रूप से स्नैनपचैटर्स की मदद करेंगे! स्नैअपचैटर्स ने एक मजेदार 'होली बीयर्ड' लेंस और विभिन्नर भाषाओं में होली की शुभकामना देने के लिये एक लेंस भी पेश किया है, जिनके साथ यूजर्स जश्नढ मना सकते हैं। यह लेंसेस स्नैपचैट ऐप के अलावा पार्टनर डिवाइसेस जैसे सेमसंग फन मोड और गूगल कैमरा गो पर भी उपलब्धं हैं।

होली के लिये खास इन एक्टिवेशंस पर स्नैपचैट में भारत एवं दक्षिण एशिया में मार्केट डेवलपमेंट के डायरेक्टलर दुर्गेश कौशिक ने कहा, ''स्नैपचैटर्स अपने दोस्तों और परिवार के साथ त्यौहारों का जश्न मनाने के अनोखे और मजेदार तरीके लगातार खोज रहे हैं। हमारी एआर तकनीक वाली क्षमताएं हमारी खासियत हैं और भारत में हमने इसे अपने लोकेलाइजेशन के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है। पिछले साल भी स्नै पचैटर्स ने बड़ी संख्या में हमारे खास होली एआर लेंसेस का इस्तेमाल किया था!''

## महाप्रबंधक ने पश्चिम रेलवे के पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय रेल पुरस्कार प्रदान किये

अहमदाबाद , पश्चिम रेलवे एवं मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार लाहोटी ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के मुख्यालय में 16 मार्च, 2022 को आयोजित एक समारोह में 66 वें राष्ट्री य रेल पुरस्कार 2021 के लिए चुने गए पश्चिम रेलवे के 7 पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय रेल पुरस्कार प्रदान किये। इस पुरस्कार में एक पदक, योग्यवता प्रमाण-पत्र एवं सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है। यह प्रतिष्ठित पुरस्काकर प्राप्तय करने वाले पश्चिम रेलवे के सात अधिकारी एवं कर्मचारी हैं - रतलाम मंडल के ट्रैक मेंटेनर गंगा बिशन मीणा, मुंबई मंडल के सीनियर सेक्श न इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू रूपेश कुमार जैन, मोटरमैन/चर्चगेट प्रमोद सारंगी, मुंबई मंडल के सीनियर सेक्शीन इंजीनियर सुरेंद्रनाथ द्विवेदी, निरीक्षक/आरपीएफ नरेंद्र यादव, पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर और जगजीवन राम अस्पताल, मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठा मंडल चिकित्साग अधिकारी डॉ. योगानंद वी. पाटिल। महाप्रबंधक लाहोटी ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत और कार्य के प्रति समर्पण की प्रशंसा की, जिसके परिणामस्वरूप उनके द्वारा उत्वृऔष्टम कार्य-निष्पाणदन किया गया। उन्होंने सभी रेल कर्मचारियों को भविष्य में अपने अच्छे कामों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

## राजकोट स्टेशन पर जल्द शुरू होगी 'वन स्टेशन वन प्रॉडक्ट' योजना स्टेशन पर से यात्री ले सकेंगे टेराकोटा मिट्टी के बर्तन

रेलवे की व्यापक पहुंच और महत्व को ध्यान में रखते हुए स्थानीय उत्पादों को देशभर में लोकप्रीय बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना की घोषणा की गई है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इस योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर उस जगह के खास उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल लगेंगे। उत्पादों के स्टॉल लगाने से जिस रेलवे स्टेशन पर यात्री उतरेंगे, यात्री वहां के खास उत्पादों के बारे में आसानी से जान सकेंगे। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत स्थानिक उत्पादों का प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलेगी। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना का प्रमुख उद्देश्य रेलवे का उपयोग करके स्थानीय उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना है।

राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने बताया कि इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू करने के लिए पश्चिम रेलवे के राजकोट स्टेशन का चयन किया गया है। राजकोट स्टेशन पर टेराकोटा मिट्टी से बने विभिन्न उत्पाद जैसे कि क्ले कुकिंग बर्तन, पानी का गिलास, बोतल, कटोरी, बाऊल, कढ़ाई, वॉटर पॉट इत्यादि वस्तुओं की प्रदर्शनी लगेगी जहां से यात्री इन उत्पादों को खरीद सकते हैं। इस योजना की शुरुआत जल्द ही राजकोट स्टेशन पर 15 दिनों के लिए ट्राइल बेसिस पर की जाएगी।

**पश्चिम रेलवे**

**शुद्धि पत्र - 3**

निविदा सं. ईपीसी_डब्ल्यूआर_एसएनटी_01आर. दिनांक : 07-02-2022. उपरोक्त निविदा के संबंध में, कुछ परिवर्तन/सुधार किए गए हैं। मुख्य परिवर्तन निम्न प्रकार हैं : - विज्ञापित मूल्य (आईएनआर) : 1476938656.00, बयाना राशि (आईएनआर) - 7384700.00. सम्